बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद में मात्र रू0 6.5 लाख (छः लाख पचास हजार) में मकान खरीदने हेतु सम्पर्क करें

मो0 9868944025

लोन सुविधा उपलब्ध है

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 165 | बुधवार 4 अक्टूबर 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

आरक्षण की 50 फीसदी लिमिट तोड़ने पर फिर छिड़ेगी बहस, क्या कहता एससी का 1992 वाला फैसला

नई दिल्ली। बिहार में जातिगत सर्वे के नतीजे सामने आ चुके हैं और उसमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग की आबादी मिलाकर 63 फीसदी के करीब है। इसके अलावा अनुसूचित जाति की आबादी 19 फीसदी और जनजाति की 1.68 फीसदी पाई गई है। इस सर्वे के नतीजों के बाद राजनीतिक तौर पर बहस शुरू हो सकती है और उसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव पर भी देखने को मिलेगा। लेकिन इसका एक बड़ा असर आरक्षण की बहस के तौर पर भी दिख सकता है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा साहनी बनाम भारत सरकार वाले मामले में 1992 में आरक्षण को लेकर 50 फीसदी की सीमा तय की थी। इसे लेकर अकेला तमिलनाडु राज्य ही अपवाद है और अन्य राज्यों में इसका पालन करना होता है। अब बिहार में जो आंकड़े सामने आए हैं, उसके मुताबिक जनरल कैटिगरी की आबादी 15.52 फीसदी ही है। ऐसे में आरक्षण की 50 फीसदी सीलिंग को खत्म करने की मांग फिर से उठ सकती है। महाराष्ट्र, झारखंड जैसे कई राज्यों में अलग-अलग समुदायों को आरक्षण देने की नीति के तहत इस सीलिंग को खत्म करने की मांग पहले ही उठती रही है। यही नहीं महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे कई राज्यों ने तो आरक्षण के प्रस्ताव पारित भी कर दिए, लेकिन अदालत से ही उन पर रोक लगी। सिर्फ 10 फीसदी का EWS कोटा एक अपवाद रहा है। इंदिरा साहनी मामले में 9 जजों की संवैधानिक बेंच ने 6-3 के बहुमत से फैसला दिया था और 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण बरकरार रखा था। इसके साथ ही अदालत ने कुछ अहम बातें भी की थीं। इसके तहत अपवादों को छोड़कर आरक्षण की 50 फीसदी सीमा तय करने का फैसला लिया गया। हालांकि इसके बाद 1994 में 76वां संविधान संशोधन हुआ था, जिसके तहत तमिलनाडु में आरक्षण की सीमा को 50 फीसदी से ज्यादा कर दिया गया। इसे संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल किया गया है। बता दें कि मई 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने मराठा कोटे को भी खारिज कर दिया गया था। अदालत ने इसके पीछे वही 50 फीसदी लिमिट वाला तर्क दिया था। ऐसा ही केस गुजरात में पटेल, हरियाणा में जाट और आंध्र प्रदेश में कापू समुदाय का भी था। हालांकि बीते साल नवंबर में अदालत ने 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस कोटे को मंजूरी दे दी थी।

2024 में भाजपा की मुश्किल बढ़ा देगी जातिगत जनगणना, छोटे दलों का साथ ही बचा सकता है रुतबा

बिहार में जातिगत जनगणना के आंकडों का असर पूरे देश पर होने वाला है। वहीं बिहार की राजनीति में तो बड़ा असर देखने को मिलेगा ही। इन आंकड़ों ने भाजपा की मुश्किल बढ़ा दी है।

पटना। बिहार में कराई गई जातिगत जनगणना भाजपा को कतई रास नहीं आ रही है। इस मामले को भाजपा केंद्रीय स्तर पर ज्यादा भाव नहीं दे रही है। हालांकि बिहार के भाजपा नेताओं ने इसकी खामियां जरूर बताई हैं। उनका कहा है कि इसमें वर्तमान सामाजिक और आर्थिक स्थितियां नहीं दिखाई गई हैं। 2024 के चुनाव में भाजपा सवर्ण वोट के दम पर ही अपना प्रदर्शन दोहराने का प्लान बना रही थी। हालांकि 2019 के मुकाबले इस बार स्थितियां काफी बदल गई हैं। 40 लोकसभा सीटों वाले बिहार में एनडीए ने नीतीश कुमार और लोक जनशक्ति पार्टी को साथ लेकर 39 सीटों पर कब्जा कर लिया था। हालांकि अब ऐसा करने के लिए उसे छोटे दलों की जरूरत होगी।

ठाकुर और ब्राह्मणों में अलगाव तो बढ़ेगी भाजपा की मुश्किल

बीते दिनों आरजेडी सांसद मनोज झा ने राज्यसभा में एक कविता सुना दी। कविता का शीर्षक था 'ठाकुर का कुआं' इस कविता को लेकर तब बवाल हो गया जब आनंद मोहन के बेटे ने इसे जातीय रंग दे दिया। उन्होंने कहा कि यह कविता सुनाकर मनोज झा ने ठाकुरों का अपमान किया है। आरजेडी नेता आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद ने कहा था कि झा ब्राह्मण हैं इसलिए ठाकुरों पर कविता पढ़ी है। मनोज झा के बचाव में लालू यादव भी आ गए। फिलहाल भाजपा की बात करें तो इस तरह से सवर्ण वोट बैंक में फूट पड़ सकती है। अब अगर भाजपा को फायदा लेना है तो इस स्थिति से बेहद संभलकर निपटना होगा और ब्राह्मण, ठाकुर दोनों का साथ बनाए रखना होगा. जातिगत जनगणना को लेकर राज्य में भाजपा इकाई के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा, हम पहले इन आंकड़ों का विस्तार से विश्लेषण करेंगे। इसके बाद ही नीति को लेकर कोई बात कही जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि इस मामले को लेकर राज्य के नेता केंद्रीय नेतृत्व के संपर्क में हैं। उसे उम्मीद है कि केंद्र की तरफ से ही रोहिणा कमीशन की सिफारिश पर भी कुछ ऐक्शन लिया जा सकता है जिसमें जातिगत संख्या के आधार पर केंद्र की नौकरियों में ओबीसी और ईबीसी का कोटा निर्धारित करने की बात कही गई थी।

वहीं बिहार में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी भी भाजाप के लिए मुश्किल बन सकती है। विधानसभा चुनाव के दौरान एआईएमआईएम ने 6 सीटें जीती थी। वह अलग बात है कि बाद में उनके विधायक आरजेडी के साथ हो लिए। हालांकि ओवैसी ध्रुवीकरण का काम करते हैं और ऐसे में वे मुस्लिम वोट पर हाथ मार सकते हैं। वहीं जो छोटी पार्टियां अब एनडीए में नहीं हैं उनसे निपटने के लिए भी भाजपा का ज्यादा प्रयास करना होगा। इसमें विकासशील इंसान पार्टी भी शामिल है। जनगणना के आधार पर बिहार में मल्लाह का प्रतिशत 3.3 है। ऐसे में सहनी की पार्टी इस वोट बैंक पर हाथ साफ करने की कोशिश करेगी। अब भाजपा को अपने सहयोगी दलों के साथ अच्छी केमिस्ट्री के लिए रणनीति तैयार करनी होगी। वहीं बात करें अनुसूचित जाति की कुछ महादलित जातियों की तो इनपर बीएसपी की भी पकड़ मजबूत हो सकती है। उनको बिहार में 5.3 फीसदी आबादी का सपोर्ट मिल सकता है। बता दें कि जातिगत जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक हिंदू आबादी 81.99 फीसदी, मुस्लिम 17.70 फीसदी, ईसाई 0.05, सिख 0.01, बौद्ध 0.08, जैन 0.009 और अन्य धर्मों के लोग 0,12 फीसदी हैं। इसमें अति पिछड़ा वर्ग की आबादी सबसे ज्यादा 36.01 फीसदी है। पिछड़ा वर्ग 27.12 फीसदी और अनुसूचित जाति की आबादी 19.65 फीसदी है। वहीं सामान्य वर्ग 15.52 फीसदी है। यह सामान्य वर्ग भाजपा का मजबूत वोट बैंक हुआ करता था। वहीं अति पिछड़ा वर्ग पर नीतिश कुमार की पकड़ है। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि जातिगत जनगणना करवाकर आरजेडी और जेडीयू ने बड़ा गेम खेल दिया है। राज्य में हिंदू मुस्लिम की राजनीति को भी बड़ा झटका लग सकता है। भाजपा की पकड़ ओबीसी वोटों पर मजबूत नहीं है। ऐसे में भाजपा के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। अगर विपक्ष जातिगत जनगणना को ही मुद्दा बना लेता है तो लोकसभा चुनाव में भाजपा को नुकसान हो सकता है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकियों के साथ भीषण मुठभेड़, दो जवान घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में राजौरी के कालाकोटे इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच भीषण मुठभेड़ जारी है। डिफेंस प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया कि आतंकियों पर नजर रखने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसियों से इस इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। जंगल और झाड़ियों की वजह से आतंकी बच रहे हैं और भारी गोलीबारी कर रहे हैं। इसके बाद कालाकोटे इलाके में जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना का ऑपरेशन शुरू हो गया। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक जंगल मे चार आतंकी छिपे हो सकते हैं जिनके पास भारी मात्रा में गोला बारूद भी है। सोमवार शाम को ही आतंकियों के साथ यह मुठभेड़ शुरू हो गई थी। सबसे पहले सेना ने ब्रोह और सूम जंगली बेल्ट को खाली करवा लिया था। पहले सर्च ऑपरेशन चलाया गया और फिर आतंकी गोलीबारी करने लगे। इससे पहले 12 सितंबर को उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने जानकारी दी थी कि एलओसी पर लगभग 200 आतंकी घुसपैठ की फिराक में हैं।

और 13 सितंबर को राजौरी के ही नारला इलाके में मुठभेड़ हुई थी जिसमें दो आतंकियों को मार गिराया गया था। वहीं 12 सितंबर को ही एक अन्य ऑपरेशन में एक आतंकी को मारा गया था। इस दौरान आर्मी के एक डॉग केंट की भी मौत हो गई थी। 11 उन्होंने कहा था कि सीमा पर कड़ी सुरक्षा के बीच वे घुसपैठ की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। बता दें कि बीते 9 महीने में जम्मू-कश्मीर में 47 आतंकी मारे गए थे जिनमें से 37 विदेशी थे। राजौरी और पुंछ में अकसर आतंकियों के साथ मुठभेड़ होती है।

सनातन कुछ नहीं है; योगी आदित्यनाथ के जवाब में क्या बोल गए कांग्रेस नेता

नई दिल्ली। एक तरफ जहां राहुल गांधी ने सत्यम शिवम सुंदरम के जरिए हिंदू धर्म के मायने समझाए हैं तो दूसरी तरफ उनकी पार्टी के एक नेता ने एक बार फिर सनातन को लेकर विवादित बयान दे दिया है। कांग्रेस नेता और दिल्ली से सांसद रहे उदित राज ने कहा है कहा है कि सनातन कुछ नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सनातन को लेकर की गई टिप्पणी के जवाब में उदित राज ने एक से अधिक बार ऐसा कहा। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में उदित राज ने कहा, सनातन कुछ नहीं है। सनातन है तो जाति है। जाति ही शाश्वत है, सनातन कुछ नहीं। सनातन कहकर मूर्ख बनाने का काम करते रहे, अब नहीं बना पाएंगे। सनातन सब हैं तो सबको बराबर हिस्सा दो। छुआछूत क्यों है, ऊंच-नीच क्यों है? सनातनी अगर सभी हैं... नौकरियों में कुछ ही जातियों को क्यों मौका मिला। कुछ ही जाति के लोगों का संसाधनों में दबदबा क्यों है। ये सनातन के नाम पर सबका वोट लेते हैं। सबको भागीदारी दें, सम्मान दें, संसाधनों में हिस्सेदारी दें हम मानने लिए तैयार हैं। ये सनातन केवल वोट लेने के लिए है, जाति इस देश में सच्चाई है। देश में सात हजार जातियों में बंटी इंसानियत है। सनातन और जातियों में क्या कोई अंतर्विरोध है, दोनों एक ही चीज है।

● कांग्रेस नेता और दिल्ली से सांसद रहे उदित राज ने कहा है कहा है कि सनातन कुछ नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सनातन को लेकर की गई टिप्पणी के जवाब में उदित राज ने एक से अधिक बार ऐसा कहा। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में उदित राज ने कहा, सनातन कुछ नहीं है। सनातन है तो जाति है। जाति ही शाश्वत है, सनातन कुछ नहीं।

नहीं सुधर रहे पुलिसवाले

वर्दी की रौब में नहीं छोड़ रहे बिना टिकट ट्रेन सफर की आदत

प्रयागराज। ट्रेनों में बिना टिकट यात्रियों, अनियमित टिकटों पर यात्रा करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडल में पिछले तीन महीने से चेकिंग अभियान जारी है। कई बार ट्रेनों में टीटीई और पुलिसवालों के बीच कहासुनी का ऑडियो, वीडियो वायरल हुआ तो अफसरों ने साफ किया कि ट्रेनों में सफर करने वाले पुलिसकर्मियों को टिकट लेना अनिवार्य है, इसकी जांच कर कार्रवाई की जाए। उत्तर मध्य रेलवे के तीन महीनों के आंकड़े देखें तो खाकी वर्दी वाले बिना टिकट की अपनी आदत को छोड़ नहीं पा रहे हैं। तीन महीनों में 176 पुलिसकर्मियों को बिना टिकट या फिर अनियमित टिकटों पर यात्रा करते पकड़ा गया। इन पुलिसकर्मियों से हजारों रुपये जुर्माना वसूला गया। चेकिंग में पकड़े गए पुलिसकर्मियों में 52 दरोगा हैं,

जबकि 124 सिपाहियों ने जुर्माना भरा। तीनों मंडलों में सबसे ज्यादा बिना टिकट यात्रा करते प्रयागराज में 84 पुलिसकर्मी पकड़े गए। यूं भी प्रयागराज जंक्शन पर एक दिन की टिकट चेकिंग में सर्वाधिक 600 लोगों के पकड़े जाने का रिकॉर्ड भी है।

राम स्तंभ 1200 किमी की यात्रा करके अयोध्या पहुंचा, नवरात्र में मणिपर्वत पर होगा स्थापित

अयोध्या। राजस्थान के माउंट आबू से 12 सौ किलोमीटर दूरी तय करके रामस्तंभ अयोध्या पहुंच गया। साढे बारह बजे कारसेवकपुरम में पहुंचे राम स्तंभ का स्वागत अशोक सिंघल फाउंडेशन ने किया। इसके बाद वेद विद्यालय के आचार्य दुर्गा प्रसाद गौतम व नारद भट्टराई ने वैदिक रीति से पूजन किया। पूत पक्ष के बाद किसी शुभ मुहूर्त में अयोध्या के मणिपर्वत पर इस राम स्तंभ को स्थापित किया जाएगा। शनिवार को माउंट आबू से चला यह राम स्तंभ पहला स्तंभ है। इसके बाद देश भर के अन्य 289 स्थानों पर भी ऐसा ही राम स्तंभ लगाया जाएगा। अशोक सिंघल फाउंडेशन द्वारा यह राम स्तंभ लगवाया जा रहा है।

संयोजक मनोज तिवारी ने बताया कि अयोध्या में गुप्तारघाट, सूरजकुंड, भरतकुंड आदि प्रमुख स्थलों पर भी रामस्तंभ लगाया जाना है। उन्होंने बताया कि इस स्तंभ पर एक

विशेष कोटिंग की गई है जिससे इसके ऊपर हवा धूप व पानी का कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। लाल बलुआ पत्थर से बना यह स्तंभ एक हजार वर्षों तक अक्षुण्य रहेगा। उन्होंने बताया कि सभी पत्थर माउंट आबू में ही बनाए जाने है। बारी-बारी से ये पत्थर अयोध्या से लेकर रामेश्वरम तक हर उन स्थान तक ले जाया जाएगा जहां जहां प्रभु श्रीराम अपने 14 वर्षों के वनवास के दौरान गए थे।

हर स्थान पर स्थानीय भाषा में भी जानकारी

विश्व हिन्दू परिषद के नेता व राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख स्तंभ माने जाने वाले स्व अशोक सिंघल के नाम पर बने अशोक सिंघल फाउंडेशन व हरियाणा की संस्था एमटूके फाउंडेशन यह काम कर रहा है। श्रीराम शोध संस्थान ने 40 वर्षों तक शोध करके 290 स्थानों को चिह्नित किया है। वाल्मीकि रामायण पर आधारित इन स्थानों का चयन करके उन स्थानों के प्रसंगों का जिक्र उस पत्थर में किया जाएगा। संस्कृत के इन श्लोकों का हिन्दी में भावार्थ भी दर्ज किया जाएगा। दक्षिण भारत के हिस्सों में जब ये पत्थर लगाए जाएंगे तो वहां की स्थानीय भाषा में भी उसका अनुवाद इन पत्थरों पर लिखा जाएगा। वहां उन प्रसंगों को लेकर क्या किवंदती प्रचलित है उन्हें भी उसमें समाहित किया जाएगा।

माउंट आबू से चला यह राम स्तंभ पहला स्तंभ है। इसके बाद देश भर के अन्य 289 स्थानों पर भी ऐसा ही राम स्तंभ लगाया जाएगा।

महाराष्ट्र के अस्पताल में एक दिन में 24 की मौत, इसमें 12 बच्चे, 70 की हालत गंभीर; 500 बेड वाले हॉस्पिटल में 1200 मरीज भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र में नांदेड़ के शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल में 24 घंटे में 24 मरीजों की मौत हुई। जान गंवाने वालों में 12 बच्चे, 7 महिलाएं और 5 पुरुष हैं। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि सभी की मौत 30 सितंबर रात 12 बजे से 1 अक्टूबर रात 12 बजे के बीच हुई। इन मौतों के बाद परिजन ने अस्पताल में हंगामा किया। अस्पताल में 500 बेड की व्यवस्था है, लेकिन 1200 मरीज भर्ती हैं। इनमें 70 मरीजों की हालत अभी भी गंभीर है। 2 अक्टूबर को यह मामला मीडिया में आया। इस बारे में जब अस्पताल प्रशासन से सवाल पूछा गया तो दिनभर (2 अक्टूबर) को इन मौतों को सामान्य घटना बताता रहा। प्रशासन ने कहा कि 4 मरीजों की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई। 1 मरीज का लिवर फेल हुआ था। 1 मरीज की मौत जहर खाने, 2 की संक्रमण और 1 महिला की मौत डिलीवरी के वक्त ज्यादा ब्लड बहने से हुई। वहीं, अन्य मौतों की जांच चल रही है। उधर, देर शाम अस्पताल के अधीक्षक डॉ. श्याम राव वाकोड़े ने कहा कि अस्पताल में स्नेक बाइट (सांप के काटने) और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाइयों की कमी है। हाफकिन कंपनी ने दवाओं की आपूर्ति बंद कर दी है।

अस्पताल से लगातार कर्मचारियों का तबादला किया जा रहा है, ऐसे में हमारे पास स्टाफ भी कम है।

70-80 किमी के दायरे में एक सरकारी अस्पताल

अस्पताल के डीन ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 6 लड़के और 6 लड़कियों की मौत हुई है। हम थर्ड लेवल के देखभाल केंद्र हैं और 70 से 80 किलोमीटर के दायरे में एकमात्र सरकारी अस्पताल हैं। इसलिए दूर-दूर से मरीज हमारे पास आते हैं। कुछ दिनों में मरीजों की संख्या बढ़ जाती है और यह बजट के लिए समस्या पैदा कर देती है।

डीन ने बताया कि हमें हाफकिन नाम के एक संस्थान से दवाइयां खरीदनी थीं, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। इसलिए हमने स्थानीय स्तर पर दवाएं खरीदीं और मरीजों को मुहैया कराई।

दवाओं की कमी से जूझ रहे कई अस्पताल

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्य के कई सरकारी अस्पताल दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं। मरीजों को समय पर दवा नहीं मिलने से उनकी जान जा रही है। कुछ रिपोर्ट में ये भी दावा किया जा रहा है कि दवा सप्लाई करने वाली कंपनी हाफकिन इंस्टीट्यूट से कई अस्पतालों ने खरीद बंद कर दी है, जिसके कारण राज्य के कई अस्पताल दवा की कमी से जूझ रहे हैं।

सुप्रिया सुले ने संबंधित मंत्री का इस्तीफा मांगा-NCP प्रमुख शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने इस घटना के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने एक्स पर लिखा- नांदेड़ के एक सरकारी अस्पताल में हुई मौतें कोई संयोग नहीं है। इनकी जांच की जानी चाहिए।

उन्होंने सरकार से सवाल पूछते हुए कहा कि क्या महाराष्ट्र के लोगों की जान इतनी सस्ती हो गई है। यह देरी और लापरवाही का मामला है। इस मामले में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। राज्य के संबंधित मंत्री का इस्तीफा भी लिया जाना चाहिए। साथ ही सभी मृतकों के परिजनों को मुआवजा भी दिया जाना चाहिए।

खिलौना उद्योग में भारत की धमक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अंत में एक बात और विदेशों में प्रतिस्पर्धा में बना रहना है तो गुणवत्ता, मूल्य प्रतिस्पर्धा के साथ ही नवाचार और शोध को बढ़ावा देना होगा। सशक्त आरएंडटी टीम बनानी होगी और इसके साथ बाजार की मांग को भी समझना होगा। यह भी ध्यान रखना होगा कि खिलौना उद्योग का लक्षित वर्ग बच्चे हैं, ऐसे में बच्चों के लिए हानिकारक ना हो ऐसे कच्चे माल का ही उपयोग करना होगा। बच्चों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा। सरकार को भी इस दिशा में सहयोगी की भूमिका निभानी होगी और तकनीकी, वित्तीय व मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी।

मजबूत इच्छाशक्ति से बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। इसका जीता जागता उदाहरण देश का खिलौना उद्योग है। यह अभी कल की ही बात लगती है जब भारत 20 हजार करोड़ रुपये के खिलौने अकेले चीन से आयात करता था। कोरोना के बाद बदली परिस्थितियों में चीन को लेकर दुनिया के देशों का मोहभंग हुआ और उसके बाद हालात यह होने लगे कि दुनिया के देश चीन और उसकी नीतियों को हिकारत की दृष्टि से देखने लगे। सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया और सरकार के एक आह्वान और सकारात्मक नीतियों का परिणाम यह रहा कि देश में खिलौना उद्योग ने रफ्तार पकड़ी। हालात में तेजी से बदलाव का ही परिणाम है कि आज भारत में खिलौना उद्योग तेजी से फलने-फूलने लगा है। देशी बाजार में स्वदेशी खिलौनों की मांग बढ़ी तो विदेशी बाजार में भी भारतीय खिलौनों की तेजी से मांग बढ़ी है। इसमें कोई दोराय नहीं कि इसमें प्रमुख कारण खिलौना उद्योग के लिए प्रोत्साहन नीतियां प्रमुख कारण रहीं। आयात शुल्क बढ़ाने के साथ ही सरकार प्रोडक्शन लिंक इंसेटिव स्कीम लागू कर उद्योग के विकास में सहभागी बनी। आज 12 प्रतिशत विकास दर के साथ खिलौना उद्योग बढ़ रहा है। यह चक्रवृद्धि विकास दर है। इसे भारतीय खिलौना उद्योग के लिए शुभ संकेत ही माना जा सकता है।

देखा जाए तो खिलौना उद्योग पर चीन का एकाधिकार ही रहा है। लगभग 80 प्रतिशत बाजार चीन के पास रहा है। ऐसे में चीन के खिलौना उद्योग को चुनौती देना बड़ी मुश्किल भरा काम रहा है, पर सरकार के एक आह्वान ने सब कुछ बदल कर रख दिया। केन्द्र व राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से देश में खिलौना उद्योग ने गति पकड़ ली है। पहले भारत, चीन से 20 हजार करोड़ के खिलौना आयात करता था। और अब हालात यह हो गए हैं कि आज भारत में खिलौनों का घरेलू बाजार 124.73 अरब रुपये का हो गया है। भारत से खिलौनों के निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। 2018-19 में 16.81 करोड़ के खिलौने निर्यात होते थे 2022-23 में बढ़कर 27.08 अरब डालर

हो गया है। माना जा रहा है कि 2028 तक भारत में खिलौना उद्योग 249.47 अरब रुपये को पार कर जाएगा। इसके पीछे एक कारण यह भी है कि जो माहौल बना और बनाया गया उसका परिणाम यह रहा कि बच्चों की पहली पसंद भी भारतीय खिलौने ही हो गए हैं।

खिलौना उद्योग में आज 4000 एमएसएमई अपनी भागीदारी निभा रही है। एक सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एमएसएमई उद्योग देश का ग्रोथ इंजन होता है। एमएसएमई उद्योगों से जहां रोजगार के अधिक अवसर विकसित होते हैं वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होता है। होता यह है कि बड़े उद्योगों में एक सीमा तक ही रोजगार के अवसर होते हैं क्योंकि वहां टेक्नीक का अधिक उपयोग होता है तो दूसरी और एमएसएमई उद्योग में रोजगार के अधिक अवसर होने से आर्थिक व्यवस्था को नई दिशा मिलती है। स्थानीय स्तर से लेकर निर्यात तक के अवसर आसानी से उपलब्ध होते हैं।

जहां तक खिलौनों का संबंध है 2600 ईसा पूर्व सुमेरियन सभ्यता के अवशेषों में मानव और पशु आकृति के अवशेष मिले हैं जिनके बारे में यह माना जाता है कि यह उस जमाने के खिलौनों के ही अवशेष हैं। 500 ईसा पूर्व अवशेष पूर्व ग्रीक के अवशेषों में खिलौनों के अवशेष देखे गए हैं। जहां तक हमारे देश की बात है रामायण-महाभारत व पुराणों में खेल-खिलौनों की बाकायदा चर्चा मिलती है। आज प्लास्टिक का दौर है तो सर्वाधिक खिलौने प्लास्टिक के ही बनने लगे हैं। हमारे यहां मिट्टी, धातु, टेरीकोट्टा, कपड़े, लकड़ी, सींग, रत्नों आदि से निर्मित खिलौने तैयार होते हैं। समय के अनुसार खिलौनों की मांग भी बदलती रही है। एक समय था और आज भी बार्बी की मांग सबसे अधिक देखी जाती है। इसके बाद क्यूबिक की भी मांग सबसे अधिक देखी गई। गेंद, बंदूक, जहाज, कार, ट्रेन, डमडमी, बाजे, सिटी और इसी तरह के खिलौने सामान्य से लेकर ऑटोमेटिक, चाबी से चलने वाले और आज तो सेल व सोलर से चलने वाले खिलौने बाजार में आने लगे हैं। दरअसल खिलौने बच्चों के मन बहलाव के ही साधन ना होकर ज्ञानवर्द्धक और बच्चों की मानसिकता के विकास में भी सहायक रहे हैं। खेल खेल में सीखने की प्रवृत्ति खिलौनों के माध्यम से रही है। खिलौने मानसिक विकास के भी प्रमुख माध्यम रहे हैं।

दरअसल सरकार के खिलौनों पर आयात शुल्क 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 70 प्रतिशत कर देने, कच्चे माल की सहज उपलब्धता, ईज ऑफ डूइंग के तहत आसानी से उद्योगों की स्थापना और इसके साथ ही पीएलआई यानी कि प्रोडक्शन लिंक इंसेटिव से उद्योग को बढ़ावा मिला है। इसके साथ ही सरकार द्वारा निर्यात को आसान और आम उद्यमी की पहुंच में करने से देशी विदेशी बाजार मिलने में आसानी हुई है। देश के हस्तशिल्प निर्यात संवर्द्धन परिषद द्वारा भी आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है। इसके साथ ही राज्य सरकारें भी आगे आई हैं और यही कारण है कि बहुत कम समय में देश के खिलौना उद्योग ने देश-विदेश में अपनी पहचान बनाई है।

अंत में एक बात और विदेशों में प्रतिस्पर्धा में बना रहना है तो गुणवत्ता, मूल्य प्रतिस्पर्धा के साथ ही नवाचार और शोध को बढ़ावा देना होगा। सशक्त आरएंडटी टीम बनानी होगी और इसके साथ बाजार की मांग को भी समझना होगा। यह भी ध्यान रखना होगा कि खिलौना उद्योग का लक्षित वर्ग बच्चे हैं, ऐसे में बच्चों के लिए हानिकारक ना हो ऐसे कच्चे माल का ही उपयोग करना होगा। बच्चों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा। सरकार को भी इस दिशा में सहयोगी की भूमिका निभानी होगी और तकनीकी, वित्तीय व मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

भारत की दुविधा

नई दिल्ली में अफगानिस्तान का दूतावास पूरी तरह बंद कर दिया गया है। यह घोषणा अफगानिस्तान में अशरफ गनी की निर्वाचित सरकार को तालिबान द्वारा हिंसा के बल पर उखाड़ फेंकने के दो साल बाद आई है। भारत की ओर से अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। भारत के लिए अफगानिस्तान में तालिबान का शासन एक दीर्घकालिक समस्या है। काबुल में तालिबान का शासन कायम होने के बाद से ही यह आशंका जतायी जा रही थी कि देर-सबेर लश्कर-ए-तोयबा, जैश-ए-मोहम्मद, अल कायदा, इस्लामिक स्टेट और तालिबान कश्मीर का रुख कर सकते हैं, लेकिन पिछले दो वर्षों के दौरान अफगानिस्तान की भूमि से किसी तरह के आतंकवादी हमले और साजिश की रिपोर्ट नहीं आई है। लेकिन भारत सहित अन्य क्षेत्रीय देश हमेशा से सतर्क हैं। नई दिल्ली में अफगानिस्तान के दूतावास बंद हो जाने से

यह समस्या पैदा हो सकती है कि भारत मानवीय आधार पर काबुल की मदद आखिर कैसे पहुंचाएगा। भारत एकमात्र ऐसा देश है, जिसने तालिबान आतंकवादियों के खतरे को पहचान कर उसे किसी प्रकार की वैधानिकता प्रदान नहीं की है। कहा जा सकता है कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत एक दूरदृष्टि संपन्न नैतिक शक्ति के रूप में उभरा है। अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबान का सत्ता स्थापित हुआ था। इसके कुछ ही समय बाद भारत के तालिबान प्रतिनिधियों के साथ संपर्क साधा था। दरअसल, भारत ने अफगानिस्तान को स्कूल, अस्पताल, सड़क सहित आधारभूत ढांचा और स्थानीय शासन के सामुदायिक केंद्र प्रदान किए हैं। साथ ही अफगानिस्तान को मानवीय आधार पर खाद्यान्न सहित अन्य सहायता पहुंचा रहा है। वर्तमान समय में भारत काबुल स्थित अपने दूतावास में एक तकनीकी स्तर की टीम भी तैनात की है। टीम मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए तालिबान शासन से समन्वय करती है। अब तालिबान शासक नई दिल्ली में अपना प्रतिनिधि तैनात करना चाहते हैं। भारत ने अभी तक उसे मान्यता नहीं दी है। नई दिल्ली में अफगानिस्तान का दूतावास बंद होने के बाद भारत के सामने यह दुविधा आई है कि तालिबान सरकार को मान्यता दिया जाए या नहीं। हालांकि रक्षा विशेषज्ञों के एक वर्ग का मानना है कि अफगानिस्तान में अपने राजनीतिक दखल कायम करने के लिए तालिबान सरकार को मान्यता देनी चाहिए। आगे देखना है कि भारत का राजनय इस दुविधा से कैसे निबटता है।

चिंतन-मनन

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंत:करण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मन:प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा।

संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निदरेष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णत: व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर , अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुंठित कर डालते हो।

अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामथ्यरे को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंगें उदित होती हैं, वे अवश्य पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।

रामलीला मैदान की पेंशन शंखनाद रैली

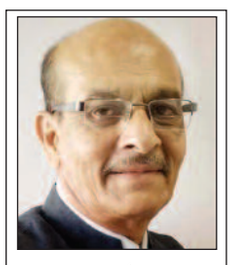

सनत जैन

देश भर के सरकारी कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू करने की मांग की है। इसके लिए देशभर से सरकारी कर्मचारी रामलीला मैदान दिल्ली में इकट्ठे हुए। 1 अक्टूबर रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में जहां देखो वहां सरकारी कर्मचारियों के सिर नजर आ रहे थे। कई वर्षों से रामलीला मैदान में इस तरीके का प्रदर्शन देखने को नहीं मिला था। सरकारी कर्मचारियों के इस प्रदर्शन ने जेपी आंदोलन और अन्ना हजारे के आंदोलन की याद ताजा कर दी। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने इस प्रदर्शन का समर्थन किया था। कई कांग्रेस शासित राज्यों ने ओल्ड पेंशन योजना को लागू कर दिया है। कांग्रेस की मांग है, कि केंद्र सरकार पुरानी पेंशन योजना को बहाल करें। देश की सेवा करने वाले कर्मवीरों का सम्मान करें। दिल्ली पुलिस ने मैदान में टेंट लगाने की अनुमति नहीं दी। इसके बावजूद भी सरकारी कर्मचारी लाखों की संख्या में रैली में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। कई प्रदेशों के हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी दिल्ली पहुंचे। सरकारी कर्मचारियों का कहना था, कि पहले की तरह केंद्र सरकार पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू कर देती है, तो इसमें राज्य सरकारों की कोई भूमिका नहीं रह

जाएगी। इसलिए हम दिल्ली में ओल्ड पेंशन योजना लागू करने के लिए एकत्रित हुए हैं।

आखिरकार सरकारी कर्मचारी न्यू पेंशन योजना का विरोध क्यों कर रहे हैं। इसको समझने के लिए सरकार तैयार नहीं है। कर्मचारी कई वर्षों से समझाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन गतिरोध अभी भी बना हुआ है। पुरानी पेंशन योजना में जब कर्मचारी रिटायर होते थे। तब उन्हें मूल वेतन मान का 50 फीसदी पेंशन के रूप में मिलता था। हर 6 माह में महंगाई भत्ता उसमें जोड़ दिया जाता था। इसके साथ ही सेवानिवृत्ति होते समय सरकारी कर्मचारियों को ग्रेच्युटी और फंड के रूप में एक मुस्त राशि मिलती थी। जिससे सरकारी कर्मचारी सेवा निवृत्ति के बाद अपने मकान और बच्चों की पढ़ाई लिखाई शादी इत्यादि की जिम्मेदारी पूरी कर पाते थे। नई पेंशन स्कीम में यह सारे प्रावधान नहीं है। जिसके कारण सरकारी कर्मचारियों में रोष देखने को मिल रहा है। सरकारी कर्मचारियों को यह भी आशंका है, कि पेंशन फंड की 50 फीसदी राशि को म्युचुअल फंड में निवेश किया जा रहा है। जो बाजार के रहमो करम पर निर्भर होगा। जो पेंशन मिलेगी, उसमें महंगाई भत्ता जोड़ने का कोई प्रावधान नहीं है। महंगाई दिनों दिन जिस तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। उसके कारण पिछले तीन-चार सालों से सरकारी कर्मचारियों की भविष्य को लेकर चिंता भी बढ़ती चली जा रही है। शेयर बाजार में समय-समय पर तेजी और गिरावट के कारण शेयर बाजार में निवेश की गई राशि सुरक्षित रहेगी या नहीं, यह भी सबसे बड़ी चिंता का कारण है। सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों को एक मुस्त मिलने वाला फंड और ग्रेजुएटी भी नहीं मिल रही है। सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने के बाद परिवार को केवल पेंशन ही मिलेगी। इसी आशंका से सरकारी कर्मचारियों में सबसे बड़ा गुस्सा है। देश भर के लगभग एक करोड़ सरकारी कर्मचारी जो नई पेंशन योजना से जुड़े हुए हैं। उनके परिवार के 5 करोड सदस्य मतदाता की हैसियत भी रखते हैं। रामलीला मैदान में हुए प्रदर्शन के दौरान सरकारी कर्मचारियों ने केंद्र सरकार को सीधे-सीधे चेतावनी दे दी है, कि 5 करोड़ वोटो से भाजपा को हाथ धोना पड़ेगा। चुनाव कार्य में सरकारी कर्मचारी ही चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराते हैं। यदि वह केंद्र सरकार से नाराज होंगे, तो इसका भी असर कहीं ना कहीं मतदान में पड़ सकता है। सरकारी कर्मचारी ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर आर पार की मुद्रा में आ चुके हैं। हिमाचल और कर्नाटक के चुनाव परिणाम ने भी केंद्र सरकार को संकेत दिया था। लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार ने नई पेंशन स्कीम और ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर कोई पुनर्विचार नहीं किया। यह कर्मचारियों के गुस्से का सबसे बड़ा कारण है। रामलीला मैदान में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी एकत्रित हुए, इससे सरकार की चिंता पहली बार देखने को मिली है। सारे मीडिया से प्रदर्शन की खबरों को नहीं दिखाने और नहीं प्रिंट करने के लिए दबाव बनाया गया। इसके बाद भी सोशल मीडिया के माध्यम से सरकारी कर्मचारियों का यह प्रदर्शन सारे देश में फैल गया। केंद्र सरकार को समय रहते कर्मचारियों की इस चिंता को दूर करने की दिशा में काम करना चाहिए। अन्यथा, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को न्यू पेंशन स्कीम के कारण भारी नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है।

एलियंस : अस्तित्व पर उठते सवाल

प्रमोद भार्गव

अभी तक एलियंस के दावे हवा-हवाई थे, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने मैक्सिको की संसद में एलियंस के दो शव पेश करके दुनिया को हैरानी में डाल दिया है।

ऐसा पहली बार हुआ है कि कथित एलियंस की ममियां पेश करके उनकी उम्र 700 और 1800 वर्ष बताई गई है। अब इस मामले में प्रश्न उठाए जा रहे हैं कि क्या वाकई ये लाषें एलियन की ही हैं। क्या यह हरकत किसी षड्यंत्र का हिस्सा है। बावजूद वैज्ञानिकों का दावा है कि इन ममियों को पेरू के कुस्को क्षेत्र से प्राप्त किया गया है।

एलियंस होने के दावे कोई नई बात नहीं है। अनेक मर्तबा यूएफओ और एलियंस को देखे जाने के दावे तो किए गए हैं, लेकिन वैज्ञानिक एलियन का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाए। ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी देश की संसद में एलियन के शव बतौर सबूत पेश किए गए हैं। हैरानी इस बात पर भी है कि जिस परागृही जीव के होने के अंदाज लगाए जाते रहे हैं, उनके बारे में वैज्ञानिक दावे हैं कि ये चोरी-छिपे पृथ्वी पर आते हैं और पृथ्वीवासी मनुष्य की गतिविधियों पर नजर रखते है। विज्ञान की उपलब्धियों में ये हमसे हजारों गुना ज्यादा जानते हैं।

एलियंस ब्रह्मांड के किसी ग्रह उपग्रह के ऐसे निवासी माने जाते हैं, जो बुद्धि में मनुष्य से तेज हैं। हमारे ही नहीं विश्व के प्रत्येक प्राचीन धर्म की पौराणिक

कथाओं में सुदूर ग्रह या लोकों के देवताओं के पृथ्वी पर आने-जाने का उल्लेख मिलता है। इन पौराणिक कथाओं के शाब्दिक अथरे के प्रकाश में उनकी तार्किक उपस्थिति की पड़ताल के लिए वैज्ञानिक सक्रिए हुए हैं। दूसरी ओर, प्रसिद्ध वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग ने एलियंस से संपर्क नहीं करने की चेतावनी दी थी। उन्होंने इन्हें पृथ्वी निवासी मानव अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा बताया था। उनकी शंका थी कि एलियंस हमसे बेहतर तकनीक वाले जीव हो सकते हैं। हालांकि तमाम जीवविज्ञानियों का मानना तो यहां तक है कि अतीत में सुदूर ग्रहों से परलोकीय प्राणी पृथ्वी पर आए थे और उन्होंने ही मनुष्य को सभ्य होने का रास्ता दिखाया था। अब हमारे पुराणों में तो जितने देवता हैं, उनका निवास परलोक ही है। ये देवता धरती व अन्य ग्रहों पर अपने आकाशगामी यानों से आया-जाया करते थे। हालांकि अब अनेक परंपरागत जड़ताएं टूट रही हैं। वैज्ञानिक एलियंस की सच्चाई को समझने के लिए परागृही देवताओं के काल्पनिक व अविसनीय से लगने वाले अस्तित्व में भी झांक रहे हैं।

सुमेर के प्राचीन इतिहास में उल्लेख है कि प्राचीन सुमेरवासी ऐसे लोगों के वंषज हैं, जो मानव नहीं थे तथा अन्य ग्रहों से पृथ्वी पर आए थे। सुमेर की दंतकथाओं में भी यही उल्लेख है। इन कथाओं में 'अपकल्लू' नामक देवता का जिक्र बार-बार आया है। सुमेर की प्राचीन शैल-भित्तियों पर कीलाक्षर लिपि में ताम्र-पत्रों पर जो वर्णन है, उससे ज्ञात होता है कि इस देवता का अवतरण प्राचीन सुमेर के जन्म के कई हजार वर्ष पूर्व हुआ था। अमेरिकी खगोलशास्त्री जेएन हाइन 'अंतरिक्ष में जीवन' विषय पर शोधरत हैं। उनका मानना है, 'पृथ्वी के अतिरिक्त अन्य ग्रह भी हैं, जहां मनुष्य से भी अधिक उन्नत और सभ्य प्राणी निवास करते हैं।' रूसी खगोलशास्त्री वेलारिना जूरावलेवा ने कहा था कि 'अपने अध्ययन से हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि अंतरिक्ष के विभिन्न ग्रहों से अंतरिक्ष यात्री अपने अंतरिक्ष यानों द्वारा, प्राचीन काल से पृथ्वी पर आते रहे हैं। हमारी परिकल्पना है कि ये अंतरिक्ष यात्री पौराणिक कथाओं के दवता रहे होंगे?' ब्रितानी वैज्ञानिक जॉन केज ने स्वीकारा है कि ह्यग्रहों से पृथ्वी पर आने वाले प्राणी, वास्तव में दूरस्थ ग्रहों के ऐसे संज्ञावान प्राणी हैं, जिनकी रचना ऋणात्मक विद्युत से हुई है। वे मानव निर्मित सजीव पदाथरे के किसी भी वर्ग में नहीं आते। जब कभी उनमें विद्युत ऊर्जा अधिक हो जाती है, तो वे अतिरिक्त ऊर्जा को विसर्जित करने पृथ्वी पर आ जाते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान वे नाना रंग, रूप और आकार धारण करते हैं।' नासा में भारतीय वैज्ञानिक रहे डॉ. राम सिन्हा ने कहा था कि 'अंतरिक्ष की खोज से संबंधित वैज्ञानिक अब यह मानते जा रहे हैं कि अतीत में सभ्य ग्रहों के समृद्धशाली व तकनीक से संपन्न लोग पृथ्वी पर आ चुके हैं। उन्होंने पृथ्वी और अन्य अविकसित ग्रहों से लगातार संपर्क बनाए रखने के लिए, अंतरिक्ष में कहीं अपना ठिकाना भी बना रखा है।'

अब वैज्ञानिकों के सामने प्रश्न है कि एलियंस से ऐसी कौन सी भाषा या लिपि में संवाद किया जाए, जिसे वे समझ सकें और प्रतिउत्तर भी भेज सकें। चूंकि वैज्ञानिकों को अब तक यही अंदाजा है कि परागृही मानवों की सरंचना भी धरती के प्राणियों जैसी ही होगी। रूस में जिस एलियंस की लाश एक महिला के घर में मिली है, उसकी आकृति हुबहू मनुष्य जैसी ही है, लेकिन वह बौना है। हालांकि हमारे कुछ वैज्ञानिकों की धारणा है कि परागृही शायद इतने विकसित हो चुके हैं कि वे स्वयं खतरों की आशंका वाली अंतरिक्ष यात्रा पर नहीं निकलेंगे। बल्कि वहां के वैज्ञानिक और जीव वैज्ञानिकों ने मिलकर अब तक एक ऐसे मानव की उप-प्रजाति विकसित कर ली होगी, जो दूसरे ग्रहों के जीवन-उपयोगी लक्षण समझने में सक्षम हों? बहरहाल जब तक जीवित एलियन से मनुष्य का सामना नहीं हो जाता, तब तक एलियन के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगाए जाते रहेंगे।

अहिंसा लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत: मुख्यमंत्री

जयंती पर बापू व शास्त्री जी को याद किया सीएम योगी आदित्यनाथ ने : गांधी आश्रम में चलाया चरखा और खरीदे वस्त्र

संवाददाता

गोरखपुर । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दोनों विभूतियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व और राष्ट्रहित में उनके अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की। बापू के सत्य व अहिंसा के संदेश का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। बापू (महात्मा गांधी) की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर के टाउनहॉल स्थित उनकी प्रतिमा पर रामधुन के बीच माल्यार्पण व पुष्पांजलि कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर सीएम योगी ने शास्त्री चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया। बापू की जयंती पर मुख्यमंत्री गोलघर के गांधी आश्रम भी पहुंचे और चरखा चलाकर उन्हें याद किया। सीएम ने गांधी आश्रम में सूत कातने की विधि को देखने, जानकारी लेने , खादी व ग्रामोद्योग के उत्पादों का अवलोकन करने के बाद खादी के वस्त्र भी खरीदे। गांधी आश्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अहिंसा लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में पूरी दुनिया इसे देख चुकी है। उन्होंने कहा कि पूरा देश आजादी के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती पर नमन कर रहा है। बापू ने उन्होंने पूरी दुनिया को सत्य व अहिंसा का मार्ग दिखाकर यह संदेश दिया कि लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करते हुए दुनिया की बड़ी से बड़ी ताकत को झुकाया जा सकता है। महात्मा गांधी ने स्वदेशी, सत्य व अहिंसा का पालन करते हुए उन अंग्रेजों को देश छोड़ने को मजबूर कर दिया, जिनके बारे में कहा जाता था कि उनके राज्य में सूर्य अस्त नहीं होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों व निकायों में स्वच्छांजलि का कार्यक्रम चल रहा है। स्वदेशी, स्वावलंबन, सत्य व अहिंसा का जो मार्ग राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दिखाया था, उसके साथ ही उनके लिए स्वच्छता का अभियान भी बहुत महत्वपूर्ण था। स्वच्छांजलि का कार्यक्रम बापू के इसी अभियान से प्रेरित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी नमन किया। उन्होंने कहा कि जय जवान-जय किसान का उद्घोष कर सुरक्षा के साथ आत्मनिर्भरता के प्रति आह्वान करने वाले शास्त्री जी बापू के परम अनुयायी भी थे। आज देश व समाज में उनके योगदान को नमन करने का भी अवसर है। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता

संक्षिप्त डायरी

नहर की पटरी पर बनी सड़क की हालत खास्ता: विधायक को सौंपा पत्रक

संवाददाता

कुशीनगर। फजिलनगर से होकर परसौनी , पाण्डेयपट्टी, पाण्डेय बर्दहा को जाने वाली नहर की पटरी पर बने पीच सड़क हालत खास्ता हो गयी है। ग्रामीणों ने विधायक सुरेंद्र सिंह कुशवाहा को पत्रक देकर सड़क के पुनर्निर्माण की मांग की है। फाजिलनगर से परसौनी , पाण्डेयपट्टी, पाण्डेय बर्दहा होते हुए दस से अधिक गावों को जोड़ने वाला यह मार्ग गढ्ढे में तब्दील हो चुका है तथा नहर का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बह रहा है। ग्रामीणों ने सड़क के पुनर्निर्माण को लेकर विधायक सुरेंद्र सिंह कुशवाहा से मिलकर कई बार लिखित व मौखिक रूप से अवगात करा चुके हैं। आज मंगलवार को विधायक श्री कुशवाहा को पत्रक देकर इस रोड को पुनः निर्माण कार्य हेतु मांग किया। ग्रामीणों का कहना है कि नहर की पटरी पर बनी सड़क जगह जगह टूट फुट गयी है और नहर का पानी ओवर फ्लो होने से आने जाने वाले लोगों को आवागमन में काफी दिक्कत हो रही है। ग्रामीण राजू मिश्रा, जय प्रकाश सैनी, आर्यन शर्मा, रिंकू राय, पंकज बरनवाल, संतोष प्रसाद, संतोष, राहुल वर्मा, धुरेन्द्र प्रसाद, धर्मेन्द्र सिंह, हरेराम कुशवाहा, सोहन कुशवाहा अन्य लोगो ने विधायक सुरेंद्र कुशवाहा से सड़क के पुनर्निर्माण की मांग की है।

आज के दौर में गांधी के विचार बहुत ही प्रसांगिक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंर्तगत सिसवा महंथ कुटी चौराहे पर सभासद विजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ भगत सिंह की अध्यक्षता में गांधी व शास्त्री जयंती मनाई गई। अपने संबोधन में भूमि बचाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष गोबर्द्धन प्रसाद गोंड़ ने गांधी को महान वैश्विक नेता बताया जिन्होंने विश्व को शांति, अहिंसा व न्याय का रास्ता बताया। आज के दौर में उनके विचार बहुत ही प्रासंगिक हो गए हैं। अधिवक्ता जितेंद्र पटेल ने कहा कि गांधी जी ने केवल हमें राजनीतिक आजादी ही नहीं दी बल्कि स्वच्छता, नैतिकता और अहिंसा की सीख दी। हमें गांधी के बताए मार्ग पर चलना होगा उसी में देश का भला होगा। इसी क्रम में स्वच्छता का संदेश देते हुए झाड़ू लगाया गया। इस अवसर पर एडवोकेट योगेंद्र पाण्डेय, एडवोकेट जितेंद्र पटेल, संजय सिंह, घनश्याम राय, केदार यादव, राम गुलाब यादव, शौकत अंसारी, इम्तियाज अन्सारी, भाजपा नेता गोपाल जी राय, अशोक सिंह, नवदेश्वर राय, प्रभात राय, सनौवर अंसारी, वशिष्ट यादव, दसई गोंड़, मनमोहन गोंड़, रामजी सिंह, राम नगीना कुशवाहा, दहारी जयराम सिंह, अजय सिंह, रामप्रीत सिंह, सत्य प्रकाश त्यागी, अमित सिंह, सफाई नायक राजेश रावत व सफाई कर्मी मौजूद रहे।

गांधी व शास्त्री जयंती पर प्रधानाचार्य पुरन्दर यादव के नेतृत्व में निकली रैली

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। केश्वर इंटर कालेज बनवारी टोला में गांधी व शास्त्री जयंती पर प्रधानाचार्य पुरन्दर प्रताप यादव ने तिरंगा ध्वज फहराया। स्वच्छता अभियान के साथ रैली निकाली गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्री यादव ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी महापुरुष थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र व विश्व को समर्पित कर दिया। आज पूरा विश्व त्रासदी, संकट व अशांति से राहत पाने के लिए गांधी को देख रहा है। सत्य, अहिंसा और न्याय के मार्ग पर चल कर ही हम उनके सपनों को पूरा कर सकते हैं। गांधी जी के जीवन पर निबन्ध व चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित किया गया। इस अवसर पर देवेन्द्र प्रताप यादव, हरेन्द्र कुमार यादव, जगतराज कुमार चौहान, अमरजीत यादव, कन्हैया कुमार वर्मा, जयसिंह गोड, कमलेश भारती, शेषनाथ यादव, सतवीर कुशवाहा अम्बालिका यादव, शशिमा पटेल, रीना सिंह, रजनी तिवारी, मोनिका प्रसाद, गुड्डी मध्देशिया, रूबी पटेल मुन्नी उपस्थित रहे।

देवरिया की घटना में घायल बालक से मिले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

गोरखपुर । बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को देवरिया के रुद्रपुर क्षेत्र की चर्चित घटना में घायल बालक अनमोल दूबे से मुलाकात की। इस दौरान वह काफी भावुक हो गए। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि बालक के उपचार में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आनी चाहिए।

कसया नगर में जाम से निजात के लिए उपजिलाधिकारी को सौंपा पत्रक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद के बुद्धनगरी निवासी भाजपा उपाध्यक्ष युवा मोर्चा के नेतृत्व में युवकों ने नगर के बस स्टेशन मार्ग पर लग रहे जाम से निजात के लिए ज्ञापन सौप कर कार्रवाई की मांग की हैं। भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रियेश गोंड़ के नेतृत्व में आकाश , पवन, अविनाश, राकेश, अवधेश आदि ने मंगलवार को एसडीएम कसया योगेश्वर सिंह को ज्ञापन सौंप कर नगर के गाँधी चौक से लेकर बस स्टेशन तक लग रहे जाम से निजात से निजात की मांग किए हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि सरकारी बस स्टेशन होने के वावजूद भी बस वाले में सड़क पर ही सवारी बैठाते और उतारते हैं। जिससे जाम लग जाता है। आए दिन लोग इसके शिकार हो रहे हैं। हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। एसडीएम से इन बसों द्वारा सड़क पर सवारी पर बैठाने उतारने पर रोक लगाई जाए। उनको बस स्टेशन के अंदर सवारी बैठाने उतारने के लिए निर्देशित किया जाय, जिससे जाम से राहत मिलेगी। इस संबंध में एसडीएम कसया योगेश्वर सिंह ने कहा कि नगर में जाम लगना गंभीर समस्या हैं। इसको तत्काल दिखवाकर समाधान करा दिया जाएगा।

राष्ट्रीय क्रांति दल के जिला अध्यक्ष बनने पर शिवकुमार शर्मा का हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन(भानू)के राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय क्रांति दल के जिला अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा का लोधी गार्डन में उनके साथियों ने स्वागत किया।सभी ने फूल माला पहनाकर सम्मानित किया उन्होंने कहा कि शिवकुमार शर्मा योग्य व्यक्ति हैं और ऐसे ही ऊंचाइयों पर पहुंचते रहेंगे। शिवकुमार शर्मा ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह सहित सभी का धन्यवाद अर्पित करते हुए कहा की जो विश्वास मेरे साथी मुझ पर जताते हैं उस पर मैं खरा उतरने का सदैव पर्यतन करता रहूंगा। और उनके प्रेम और आशीर्वाद के कारण ही मैं यहां तक पहुंच पाया हूं और उनके आशीर्वाद से आने वाले समय में किसानों का अहित कभी नहीं होने दूंगा और जो भी सहायता मुझसे बनेगी उसको मैं सदैव करता रहूंगा इस अवसर पर प्रमुख रूप से गौरव सैनी एसडीएम (साउथ), ए कुमार एक्साइज कमिश्नर,सुनील यादव प्रेसिडेंट बीजेपी युवा मोर्चा , सर्वेश हिंदुस्तान टाइम्स, एसपी सिंह एक्स कस्टम चीफ , मिनिस्टर सांगवान असिस्टेंट एक्साइज कमिश्नर ,संग्राम पटनायक एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, सुनील सहगल एडवोकेट, हरविंद आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया जाएगा 54वां रामलीला महोत्सव

संवाददाता

शामली। शहर के श्री मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम शामली के रंगमंच पर इस बार 54वां रामलीला महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। आगामी 8 अक्टूबर को माता की भेट से शुरू होकर रामलीला महोत्सव 25 अक्टूबर को राजतिलक के साथ संपन्न होगा। श्री मंदिर हनुमान धाम प्रबंधक समिति के सचिव राजकुमार मित्तल ने बताया कि इस बार रामलीला महोत्सव बडी धूमधाम के साथ मनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। रामलीला झंडा शहर में निकालकर लोगों से सहयोग की अपील की गई है। आगामी 8 अक्टूबर को हनुमान धाम पर माता की भेट के साथ महोत्सव की शुरूआत कर दी जायेगी। इस दिन सभी कलाकार अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करेंगे। रामलीला मंच पर अपना अभिन प्रदर्शन करने वाल कलाकारों ने देर रात्रि तक अपनी अभ्यास शुरू कर दिया है। रामलीला महोत्सव में शहर तथा आसपास क्षेत्रों से पहुंचकर लोग धर्मलाभ उठायेंगे। 9 अक्टूबर दिन सोमवार को रामलीला का उद्घाटन होगा। इस बार की रामलीला 25 अक्टूबर दिन बुधवार को राजतिलक के साथ समापन होगी।

छात्र छात्राओं को निपुण बनाने में शिक्षक व अभिभावकों की भूमिका अहम: बीएसए

संवाददाता

कुशीनगर। हाटा बिकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय भैसही में मंगलवार को शिक्षा चौपाल व अभिभावक एवं निपुण छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसके मुख्यअतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डाक्टर राम जियावन मौर्य रहे। इस दौरान उत्कृष्ट अभिभावकों और निपुण छात्र छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट अभिभावकों और निपुण छात्र छात्राओं को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राम जियावन मौर्य ने कहा कि शिक्षा का स्तर बढ़ाने में अभिभावकों को योगदान बहुत जरूरी है जिससे बच्चों को समय से विद्यालय भेजना होता है शिक्षक तो विद्यालय में अपनी भूमिका को सही ढंग से निभाते हैं। हम सभी लोगों का कर्तव्य बनता है कि पढ़ने वाले सभी छात्र छात्राओं को निपुण बना दे कार्यक्रम को खण्ड शिक्षा अधिकारी उदयशंकर राय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने से सीधे अभिभावकों से संवाद स्थापित करने का मौका मिलता है और जरुरी सुझाव भी हासिल किया जाता है। इस दौरान बिधालय के निपुण छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया और अभिभावकों के साथ साथ डीसी माध्यमिक शिक्षा बिष्णु प्रभाकर पाण्डेय और ग्राम प्रधान संजय यादव को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका रीना मल्ल और संचालन एआरएपी मोहम्मद सुफियान आरफी ने किया। इस अवसर पर सोनी सेठ, आनन्द मिश्रा, कान्ति वर्मा, रिजवान अहमद, अनिता सुनिता, मनोज जायसवाल, सुरेन्द्र बहादुर, कमलेश कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

रायन इंटरनेशनल स्कूल वसंत कुंज एवं कैनम की भागीदारी से आयोजित सफल करियर मेला

संवाददाता

गाजियाबाद। स्कूल की प्रधानाचार्य अनुराधा शर्मा ने बताया कि रयान ग्रुप ऑफ स्कूल का लक्ष्य है 'शिक्षा में उत्कृष्टता और सर्वांगीण विकास।' इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए रयान ग्रुप स्कूल सदैव छात्रों को सर्वोत्तम अवसर एवं उत्कृष्ट मंच प्रदान करते रहा है। छात्रों की कॉलेज और कैरियर की तैयारी को निश्चित दिशा देने के उद्देश्य से, रायन इंटरनेशनल स्कूल, वसंत कुंज ने अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान कैनमे के सहयोग से 3 अक्टूबर, 2023 को कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए 'एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कैरियर मेले' की मेजबानी की। यह संस्था दुनिया भर के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए परामर्श प्रदान करते हुए छात्रों की सहायता करता है। करियर मेले में दिल्ली और एन.सी.आर. के स्कूलों के छात्रों ने हिस्सा लिया। मेले में यू.के. , यू.एस.ए. , कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के 23 विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत की, जिसमें छात्रों को उनकी रुचि के क्षेत्रों में विभिन्न पाठ्यक्रमों और अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। छात्रों को विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए पूर्व आवश्यकताएँ जैसे प्रवेश परीक्षाओं, प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति और उनसे जुड़ी कैरियर संभावनाओं के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ । इस कार्यक्रम में लगभग 1000 छात्रों की भागीदारी देखी गई। कैरियर मेला सभी छात्र प्रतिभागियों के लिए एक अनूठा एवं उपयोगी अनुभव सिद्ध हुआ जो छात्रों के शैक्षिक भविष्य को सकारात्मक दिशा देने में सफल रहा।

शुगर मिल पर दूसरे दिन भी किसानों का धरना जारी

संवाददाता

शामली। मंगलवार को बकाया गन्ना भुगतान की मांग को लेकर किसानों का दूसरे दिन भी शामली शुगर मिल में धरना जारी रहा। शुगर मिल अधिकारियों ने वार्ता कर किसानों को हर संभव मनाने का प्रयास किया, लेकिन किसान अपनी मांगों पर अडे रहे। पिछले करीब 44 दिनों से किसानों का बकाया गन्ना भुगतान की मांग को लेकर किसानों का जिला गन्ना समिति कार्यालय पर धरना प्रदर्शन चल रहा था। लेकिन अब किसानों ने अपना धरना गन्ना समिति कार्यालय से उठाकर शामली शुगर मिल में शुरू कर दिया है। जहां मंगलवार को दूसरे दिन भी किसानों का धरना जारी रहा।

इस दौरान किसानों के बीच पहुंचे शुगर मिल अधिकारियों ने किसानों से वार्ता कर हर संभव मनाने का प्रयास किया, लेकिन किसान नही माने और अपनी मांगों पर अडे रहे। किसानों ने कहा कि अगर भुगतान नही होगा तो किसान शुगर मिल को गन्ना भी नही देगे। किसानों के धरने को लेकर शुगर मिल में पुलिस फोर्स तैनात रहा।

शुगर मिल गेट पर भी कडी सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंध किए गए थे। अकारण शुगर मिल में बाहरी लोगों को प्रवेश नही दिया गया। इस अवसर पर संजीव शास्त्री, ईश्वर सिंह बनत, जगबीर सिंह, सोमराम, विक्की देशवाल, धर्मन्द्र, शुक्रमपाल, सतबीर, बालेन्द्र, आशीष, अमजद, त्रिरसपाल, विकास पंवार, अनिरूद्ध आदि मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में पुलिस व बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो बदमाश गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। बीती रात ग्रेटर नोएडा के थाना नॉलेज पार्क पुलिस और दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें एक बदमाश गोली लगने के बाद घायल हो गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके दूसरे साथी को कांबिंग के दौरान पकड़ा गया। पकड़े गए बदमाश लूट और डकैती के मामले में वांछित चल रहे थे। थाना नॉलेजपार्क पुलिस ने बीती देर रात शारदा गोल चक्कर के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रूकने का इशारा किया। इस पर मोटरसाइकिल सवार अभियुक्तों द्वारा भागते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग की गई। पुलिस द्वारा पीछा करने हुए जवाबी कार्रवाई की गई। एक गोली पैर में लगने के कारण घायल बदमाश आजिब उर्फ अजीब को व अभियुक्त अमरेश को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, 1 तमंचा, 1 जिन्दा कारतूस व 1 खोखा कारतूस बरामद हुआ है। अभियुक्त अजीब 25 हजार रूपये का इनामी बदमाश है, जो थाना बीटा-2 से डकैती के अभियोग में वांछित चल रहा था।

सर्विस चार्ज लेने के मामले में सुनवाई जारी रखेगा दिल्ली हाईकोर्ट, रेस्तरां एसोसिएशन ने दायर की थी याचिका

नई दिल्ली। सेवा शुल्क लेने से जुड़े मामले पर मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट आगे की सुनवाई जारी रखेगा। पांच सितंबर को हुई पिछली सुनवाई पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रेस्तरां निकाय के सदस्यों से कहा था कि अपने ग्राहकों से सेवा शुल्क के रूप में ली जाने वाली राशि के लिए कर्मचारी योगदान शब्द का उपयोग करें। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह की पीठ ने फेडरेशन आफ होटल्स एंड रेस्तरां एसोसिएशन आफ इंडिया (एफएचआरएआइ) को निर्देश दिया था कि वे अपने मेन्यू कार्ड में इसे स्पष्ट रूप से दर्ज करें और बिल का दस प्रतिशत से अधिक शुल्क न लें। अदालत ने उक्त निर्देश होटलों और रेस्तरांओं को भोजन बिलों पर स्वचालित रूप से सेवा शुल्क लगाने से रोकने वाले दिशानिर्देशों के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया था। एफएचआरएआइ ने अदालत को सूचित किया था कि उनके सदस्यों के रूप में 3300 से अधिक प्रतिष्ठान हैं और जबकि इसके सदस्यों के बीच सेवा शुल्क लगाने के संबंध में कोई एकरूपता नहीं है। उन्हें राशि के लिए वैकल्पिक शब्द के उपयोग पर कोई आपत्ति नहीं थी। एफएचआरएआइ ने कहा था कि इसके कुछ सदस्य अनिवार्य शर्त के रूप में सेवा शुल्क लगा रहे हैं। 1100 सदस्यों वाले याचिकाकर्ता नेशनल रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा कि सेवा शुल्क स्वीकृत शब्द है और इसे प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। इसके उपयोग के संबंध में कोई भ्रम नहीं है।इस पर अदालत ने कहा था कि मामले में सुनवाई की जरूरत है। ऐसे में यह निर्देश दिया जाता है कि सेवा शुल्क लेने वाले एफएचआरएआइ के सदस्य इसके लिए कर्मचारी योगदान शब्द का इस्तेमाल करेंगे। पिछली सुनवाई पर अदालत ने याचिकाकर्ता रेस्तरां एसोसिएशन से पूछा था कि क्या सेवा शुल्क शब्द को कर्मचारी कल्याण निधि जैसी वैकल्पिक शब्दावली से बदलने पर कोई आपत्ति है या नहीं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) द्वारा चार जुलाई 2022 को जारी किए गए दिशानिर्देशों पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

दिल्ली में आधुनिक लैंडफिल का काम शुरू होने की जगी उम्मीद, पर्यावरण विभाग से पेड़ काटने पर बनी सहमति

नई दिल्ली। दिल्ली में लैंडफिल को खत्म करने और वैज्ञानिक तरीके से कूड़े के निस्तारण के लिए दूसरी इंजीनियर्ड लैंडफिल (आधुनिक लैंडफिल) बनाने पर काम शुरू होने की आस जगी है। सुल्तानपुर डबास में बनने वाली इस लैंडफिल के लिए निगम की सबसे बड़ी परेशानी यहां मौजूद विलायती कीकर को काटने की पर्यावरण विभाग के साथ सहमति बन गई है। अब निगम ने इस भूमि पर निविदा प्रक्रिया आमंत्रित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इंजीनियर्ड लैंडफिल बनने से दिल्ली के कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने में सहायता मिलेगी, क्योंकि वर्तमान में कूड़े से बिजली बनाने के बाद जो राख निकलती है पुनः लैंडफिल पर ही डाल दी जाती है। ऐसे में सालिड वेस्ट मैनेजमेंट उप नियम 2016 इंजीनियर्ड लैंडफिल की वकालत करते हैं। कूड़े से बिजली बनाने के बाद जो राख निकलती है उसे इसी इंजीनियर्ड लैंडफिल साइट में डाला जाएगा। दिल्ली नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुल्तानपुर डबास में 45 एकड़ भूमि पर यह इंजीनयर्ड लैंडफिल बननी है। यहां पर करीब 700 पेड़ विलायती कीकर हैं। इन्हें काटकर भूमि को खाली किया जाना है। इन पेड़ों को काटने की मंजूरी के लिए पर्यावरण विभाग ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इन पेड़ों के काटने के एवज में निगम ने घुम्मनहेड़ा में 40 एकड़ भूमि का सुझाव 7000 पेड़ लगाने के लिए दिया था। पर्यावरण विभाग के राजी होने के बाद से निगम अब वहां मौजूद 140 एकड़ भूमि में से 40 एकड़ भूमि का चयन करके पर्यावरण विभाग को बताएगा।

आईआईटी कैंपस में किया खादी इंडिया के पहले आउटलेट का उद्घाटन, मनोज कुमार बोले- वैश्विक बाजार तक पहुंचेंगे

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार तक खादी की पहुंच बनाने में अब युवा मदद करेंगे। खादी को युवाओं का भी ब्रांड बनाने के लिए आईआईटी दिल्ली कैंपस स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में खादी इंडिया का पहला आउटलेट खोला गया है। गांधी जयंती के मौके पर खादी और ग्रामोद्योग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने इस पहले आउटलेट का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले हफ्ते भारत मंडपम में आयोजित यूनिवर्सिटी कनेक्ट फिनाले में युवाओं खासकर उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्रों से खादी के कपड़े पहनने का आह्वान किया था।

मनोज कुमार ने कहा पीएम ने युवाओं से स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत को प्रोत्साहित करने के लिए देश में निर्मित कपड़ा खादी को अपने पसंदीदा ब्रांड में शामिल करने को कहा था। इससे वोकल फॉर लोकल' और 'मेड इन इंडिया' को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए निफ्ट डिजाइनर ने युवाओं की पसंद को ध्यान में रखकर पारंपरिक डिजाइन और फैब्रिक को आधुनिक रंगरूप और पैकेजिंग में बदलाव किया है। युवाओं की पसंद और वैश्विक

बाजार को ध्यान में रखकर ही निफ्ट डिजाइनर को इस योजना में शामिल किया गया है।

पहली बार खादी से जुड़ी डेनिम की शर्ट

आईआईटी दिल्ली में खादी के पहले आउटलेट में डेनिम की शर्ट भी पहली बार बिक्री के लिए रखी गई है। इसे पिछले दिनों खादी ने विश्व हथकरघा दिवस पर लांच किया था। हालांकि आईआईटी आउटलेट में पहली बार युवाओं के लिए डेनिम शर्ट शामिल की गई है। इसकी कीमत 1200 रुपये है। इसके अलावा महिलाओं के लिए भी पहली बार विशेष कलीदार कुर्ता, हैंडब्लॉक प्रिंटेट फैब्रिक समेत कई अन्य नए फैब्रिक को जोड़ा गया है। इसकी रेंज 1700 से शुरु होती हैं।

आईआईटी के छात्रों को डिस्काउंट भी मिलेगा

आईआईटी दिल्ली कैंपस के पहले खादी आउटलेट में छात्रों को डिस्काउंट भी मिलेगा। खादी के वस्त्र खरीदने पर 20 फीसदी और ग्रामोद्योग के उत्पाद पर उन्हें 10 फीसदी का डिस्काउंट दिया जाएगा। खादी स्थित कनॉट प्लेस स्थित स्टोर में ओल्ड स्टॉक पर 60 फीसदी, खादी वस्त्रों पर 20 फीसदी, ग्रामोद्योग पर 10 फीसदी छूट मिलेगी। इसके अलावा देश भर के अन्य स्टोर पर खादी वस्त्रों पर 20 फीसदी और ग्रामोद्योग उत्पात पर 10 की छूट मिलेगी।

दलित छात्र को हिरासत में रखने व यूरिन पिलाने के मामले में पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा-दो में एलएलबी के एक दलित छात्र की शिकायत पर तत्कालीन थानाध्यक्ष सहित 10 पुलिस कर्मियों के खिलाफ मारपीट कर अवैध में हिरासत में रखने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह की मीडिया प्रभारी ने बताया कि जनपद अलीगढ़ के रहने वाला एलएलबी के छात्र जितेंद्र उर्फ जीतू के खिलाफ एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह उसके स्पा सेंटर में आया तथा उसको ब्लैकमेल करके उससे पैसे मांग रहा था। इस घटना की शिकायत पर पुलिस ने जितेंद्र उर्फ जीतू को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जमानत पर आने के बाद जीतू ने पुलिस पर आरोप लगाया कि उसे अवैध रूप से हिरासत में रखा गया तथा उसके साथ मारपीट कर उसे यूरिन पिलाया गया।

छात्र के अनुसार उसके मोबाइल फोन में हिडन कैमरा

लगा था, जिसके आधार पर उसने मारपीट और यूरिन पीलाने की तस्वीर कैद हुई। उन्होंने बताया कि छात्र की शिकायत पर थाना बीटा-दो के तत्कालीन थानाध्यक्ष अनिल राजपूत, एच्क्षर चौकी के तत्कालीन चौकी प्रभारी अनुज कुमार राणा, परी चौक के चौकी प्रभारी देवेंद्र राठी सहित 10 पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है बताया जाता है कि छात्र काफी दिनों से पुलिस अधिकारियों से मिलकर कार्रवाई करने की मांग कर रहा था। लेकिन पुलिस अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे थे। इससे परेशान छात्र लखनऊ पहुंचा तथा उसने आत्मदाह करने की कोशिश की। उसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार के आला अधिकारी हरकत में आए तथा उनके आदेश पर पुलिस कर्मियों के खिलाफ थाना बीटा-दो में मुकदमा दर्ज हुआ। नामजद किए गए तत्कालीन बीटा-2 थाने में तैनात पुलिसकर्मियों में से अधिकांश अब दूसरे थाने में तैनात हैं।

दवा की कमी से 24 लोगों की मौत के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : राहुल-प्रियंका

नई दिल्ली कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने महाराष्ट्र के सरकारी अस्पताल में 12 बच्चों सहित 24 लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसके लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

श्री गांधी ने कहा 'नांदेड़, महाराष्ट्र के सरकारी अस्पताल में दवाइयों की कमी से 12 नवजात शिशुओं समेत 24 लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है।

सभी शोकाकुल परिवारों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। भाजपा सरकार हज़ारों करोड़ रुपए अपने प्रचार पर खर्च कर देती है, मगर बच्चों की दवाइयों के लिए पैसे नहीं हैं। भाजपा की नज़र में ग़रीबों की ज़िंदगी की कोई कीमत नहीं है।'श्रीमती वाड्रा ने कहा 'दवाओं की कमी के कारण महाराष्ट्र में 12 शिशुओं समेत 24 मरीजों की मौत का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई हो और पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाये।'

गाजियाबाद में प्रॉपर्टी के लिए जालसाजी, मेड से कराई मंदबुद्धि की शादी, शिकायत पर बिचौलिया गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पुलिस ने बड़े घरों में विश्वास जमा कर उस घर के मंदबुद्धि, दिव्यांग, बड़ी उम्र के लड़कों से शादी कर उनकी संपत्ति हड़पने वाले गैंग का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने एक बिचौलिए को गिरफ्तार किया है। अन्य की जांच की जा रही है।

इसी गैंग की एक लड़की ने 200 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी हथियाने के लिए गाजियाबाद में एक कॉलेज मालकिन के मंदबुद्धि बेटे से शादी कर ली। कॉलेज मालकिन की कैंसर से मौत होने के बाद वह पूरी प्रॉपर्टी पर काबिज हो गई। गनीमत यह रही कि महिला मरने से पहले प्रॉपर्टी की वसीयत शादीशुदा बेटी के नाम कर चुकी थी।

फिलहाल बेटी की शिकायत पर गाजियाबाद पुलिस ने इस तरह की शादियां कराने वाले हिस्ट्रीशीटर बिचौलिए को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, मुरादनगर थाना क्षेत्र में गंगनहर पटरी के किनारे यूनिक ग्रुप ऑफ कॉलेज (यूआईएमटी) है। इसकी पूर्व चांसलर सुधा सिंह थीं, जिनकी 7 अगस्त, 2023 को कैंसर से मौत हो गई। उनके पति की भी कई साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। सुधा का बेटा शिवम सिंह 50 प्रतिशत मंदबुद्धि है। वहीं, बेटी आकांक्षा सिंह की शादी हो चुकी है। सुधा सिंह के मकान में फरवरी, 2023 में प्रीति नाम की एक युवती मेड का काम करने के लिए आई। धीरे-धीरे प्रीति ने उन पर अपना भरोसा जमा लिया। उस वक्त सुधा कैंसर की आखिरी स्टेज में चल रही थीं। प्रीति ने कहा कि वह उनके मंदबुद्धि बेटे का शादी के बाद पूरा ख्याल

रखेगी। इस बीच प्रीति ने शिवम से कथित तौर पर उस वक्त शादी कर ली, जब सुधा हॉस्पिटल में भर्ती थीं। इसकी एक तस्वीर भी आई थी, जिसमें प्रीति और शिवम गले में माला पहने हुए हैं। दोनों सुधा सिंह से आशीर्वाद लेते दिखाई दे रहे हैं। सुधा की बेटी आकांक्षा को इन सब बातों का कुछ पता ही नहीं चला। पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि प्रीति मूल रूप से रोहतक, हरियाणा की रहने वाली है। वह अब तक इसी तरह की 7 शादियां कर चुकी हैं।

मुज़फ्फरनगर के 2 उद्योगपतियों ने गाज़ियाबाद में की करोड़ों की ठगी, 8 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद। मुज़फ्फरनगर के दो उद्योगपतियों द्वारा गाज़ियाबाद के एक सिविल इंजीनियर के साथ दो करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में वेव सिटी थाने में आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इंदिरापुरम निवासी सिविल इंजीनियर देवी सिंह सोलंकी इंदिरापुरम के ज्ञान खंड दो में रहते हैं। देवी सिंह सोलंकी ने बताया कि उनके पास कोलंबिया एशिया के सामने स्थित मैसर्स रतनदीप इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय से फोन आया था । वह वहां कंपनी के निदेशक रचित सिंघल और सुरेंद्र कुमार अग्रवाल से मिले थे। दोनों ने उन्हें बताया था कि वे मुज़फ्फरनगर के बड़े कारोबारी है और गाज़ियाबाद में उनकी कंपनी सिल्वर होम्स के नाम से 22 मंजिला टावर का निर्माण करा रही है। उन्होंने निर्माण कार्य का ठेका लेने के लिए कहा लेकिन उन्होंने अधिक उम्र और रुपयों की कमी की बात कहकर ठेका लेने से मना कर दिया। उन्होंने बताया कि इस पर निदेशकों ने कहा कि सरिया और सीमेंट उनकी कंपनी मुहैया करा देगी। वह सिर्फ मशीन और मजदूरों की व्यवस्था कर लें। उनका भुगतान भी बीच-बीच में होता रहेगा। इस पर उन्होंने ठेका ले लिया। 2016 को लिखित वर्क ऑर्डर भी तैयार हो गया। शुरुआत में उन्होंने 10 लाख रुपये एडवांस भी जमा कराकर काम शुरू करा दिया। उनका कहना है कि उन्होंने अपनी सारी जमापूंजी करीब दो करोड़ रुपये उसमें लगा दी।

पीड़ित का कहना है कि निर्माण कार्य में उन्होंने जीवनभर की जमा पूंजी करीब 2 करोड़ रुपए लगा

दिए। मगर, उन्हें रकम का भुगतान नहीं किया गया। पीड़ित का कहना है दोनों निदेशक मुज़फ्फरनगर के बड़े उद्योगपति है और वहां रतनदीप ज्वेलर्स और मदन स्वीट्स के नाम से भी इनके कारोबार है और इनसे रुपये वापस मांगने के लिए कहने पर ये खुद और बड़े अपराधियों से भी धमकी दिलाते है। उन्होंने बताया कि दोनों उद्योगपतियों ने अपनी कंपनी भी दिवालिया घोषित करा दी है और अलग नाम से बड़े कारोबार चला रहे है। तंग आकर पीड़ित ने पुलिस आयुक्त से शिकायत की। उसके बाद एंटी फ्रॉड सेल से जांच कराई गई।

महिला सिपाही की हत्या के बाद नाले में छुपा दिया था शव, दो साल बाद हुआ महिला कॉन्स्टेबल की मौत का खुलासा

नई दिल्ली। दिल्ली में एक महिला कॉन्स्टेबल की हत्या ने दो साल पहले काफी ज्यादा तूल पकड़ा था, अब दिल्ली पुलिस ने दो साल पुराने महिला कॉन्स्टेबल के हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है।

पुलिस ने इस केस में दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल सुरेंद्र राणा और उसके दो साथियों को अरेस्ट किया है। इस केस की सबसे खास बात ये है कि इसमें महिला का हत्यारा कोई और नहीं बल्कि महिला के साथ ही काम करने वाला हेड कॉन्स्टेबल है। इतना ही नहीं वो इस वारदात को अंजाम देने के बाद दो साल तक महिला कॉन्स्टेबल के परिवार को भी गुमराह करता रहा था।

आरोपी ने बताया कि वो मोना नाम की महिला से प्यार करता था,जब उसने शादी से मना किया तो उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को नाले में छुपा दिया और उसपर पत्थर रख दिए। इस घटना के दौरान वो मोना के आईडी कार्ड और सिम कार्ड का इस्तेमाल करता रहा, ताकि किसी को मोना की मौत का शक न हो। उनके पास मोना को रिकॉर्ड किए गए ऑडियो भी थे, जिन्हें एडिट करके परिवार को भेजे थे ताकि उन्हें लगता रहे कि वो जिंदा है।

आरोपी दो साल तक मोना और उसके परिवार को चकमा देने में कामयाब हो गया था। जब ये केस क्राइम ब्रांच के पास आया तो धीरे-धीरे करके सारी कहानी और किस्से का खुलासा हुआ।

जाति जनगणना ने उड़ा दी मोदी की नींद : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि बिहार में जाति जनगणना के आंकड़े सामने आने के बाद अब देश में यह मांग जोर पकड़ने लगी है और इस चौंकाने वाले आंकड़े ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नींद उड़ा दी है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, 'कल जब से बिहार के जाति जनगणना के चौंका देने वाले आँकड़े सामने आये हैं, पूरे देश में जाति जनगणना की माँग ज़ोर पकड़ रही है। मोदी साहिब की नींद उड़ी हुई है। जब पाठ्यक्रम के बाहर का कोई सवाल खड़ा हो जाता है तो मोदी जी के पाठ्यक्रम का एक देखा भाला अस्त्र बाहर ले आया जाता है - मुद्दे से लोगों का ध्यान बँटाने का अस्त्र।'

संजीव बालियान ने उठाई अलग प्रदेश की मांग, इमरान ने किया समर्थन, जयंत ने उठाये सवाल, संगीत ने खोला मोर्चा

नोएडा/मुजफ्फरनगर। मेरठ में बीते दिवस हुए एक कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान ने पश्चिमी यूपी को अलग राज्य घोषित करने की मांग को उठाया था, जिसके बाद आज रामपुर तिराहा कांड की बरसी पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे संजीव बालियान पश्चिमी यूपी को अलग राज्य करने की मांग पर अडिग नजर आये। उन्होंने कहा कि अलग राज्य बनने पर पश्चिमी यूपी को बहुत से फायदे होंगे, एम्स बनेगा, आईआईटी बनेगी, जनता को अलग राज्य के फायदे ही फायदे हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री संजीव बालियान ने बताया कि अलग राज्य सब चाहते है। पश्चिम उत्तर प्रदेश का हर व्यक्ति चाहता है कि पश्चिम उत्तर प्रदेश में अलग प्रदेश बने क्योंकि हाई कोर्ट हमसे दूर है, राजधानी हमसे दूर है। उन्होंने कहा कि एम्स जैसी सुविधाएं हर प्रदेश में दी जाए। हर प्रदेश में एक आईआईटी खुले। अगर अलग प्रदेश बनेगा एम्स भी मिलेगा आपको आईआईटी भी मिल सकती है, जो छोटे प्रदेश है जैसे उत्तराखंड है वहां एम्स भी है बाकी सब चीज हैं, जबकि हमारे यहां नहीं है, जितने हमारे दो ज़िले की आबादी है इतनी उत्तराखंड की है। उन्होंने कहा कि अलग से राज्य बनाने की मांग जनता की आवाज है।

डा. संजीव बालियान का बयान सामने

आने के बाद राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डा. बालियान को किसने रोका है, केन्द्र व प्रदेश में उनकी सरकार है। वे केवल जुमलेबाजी छोड रहे हैं और लोगों का बेवकूफ बना रहे हैं। जयंत चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार को तत्काल प्रस्ताव भेजना चाहिए और केन्द्र को मंजूरी देकर अलग राज्य का गठन कर देना चाहिए। पश्चिम उत्तर प्रदेश के 22 जिलों को मिलाकर अलग प्रदेश बनने से सभी को फायदा होगा और रालोद की तो यह मांग लम्बे समय से रही है कि उत्तर प्रदेश को चार क्षेत्र में विभाजित कर मेरठ को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजधानी बनाना देनी चाहिए, जिससे हाईकोर्ट का निर्माण भी हो जायेगा और लोगों को प्रयागराज जाने से छुटकारा मिलेगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चर्चित नेता इमरान मसूद ने भी संजीव बालियान के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि डा. संजीव बालियान केवल चुनावी फायदे के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। भाजपा नेताओं को ऐसे शिगुफे छोडने में मजा आता है। भाजपा सरकार में हर वर्ग परेशान है और उनका ध्यान भटकाने के लिए ही डा. संजीव बालियान ऐसे बयान दे रहे हैं।

पूर्व विधायक इमरान मसूद ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि संजीव बालियान ने यह बयान क्यों दिया है, लेकिन वह इस बयान का समर्थन करते हैं और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रयागराज हाईकोर्ट हमसे इतना दूर है कि हमें पाकिस्तान का हाईकोर्ट नजदीक दिखाई देता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोग पिछले चालीस सालों से अलग प्रदेश की मांग कर रहे हैं और अधिवक्ता भी लगातार अलग हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर आंदोलन करते आ रहे हैं, इसीलिए डा. संजीव बालियान की मांग का वे दिल से समर्थन करते हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान द्वारा पश्चिमी यूपी को अलग राज्य बनाने की मांग पर उनकी ही पार्टी के फायर ब्रांड नेता संगीत सोम ने मंत्री संजीव बालियान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बीजेपी नेता संगीत सोम ने कहा कि पश्चिमी यूपी अलग राज्य बना तो यह मिनी पाकिस्तान बन जाएगा। बीजेपी नेता ने दावा किया कि इस राज्य में हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे। एक वर्ग की आबादी जिस हिसाब से बढ़ रही है, उससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की स्थिति बदल जाएगी। उन्होंने यहां तक कह दिया कि पश्चिमी यूपी को यदि अलग करना है तो दिल्ली से मिला दिया जाए।

भारत के रक्त में है सेवा भाव : भैया जी जोशी

नई दिल्ली। संत ईश्वर सम्मान कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह भैय्या जी जोशी ने कहा कि एक कालखंड ऐसा था, जब लोग सम्मान के लिये काम करते थे लेकिन आज भारत सरकार और संत ईश्वर संस्थान के माध्यम से सम्मान लोगों को ढूंढते हुए उनके पास जा रहे हैं, चाहे वह पद्मश्री, पद्मभूषण, भारत रत्न या संत ईश्वर सेवा सम्मान हो। श्री जोशी ने कहा कि प्राचीन ग्रथों में सेवा को धर्म के रुप में कहा गया है 'सेवा परमो धर्मः', भगवतगीता में भी कर्मण्येवाधिकारस्ते कहा गया हैं, क्योंकि भारत के रक्त में ही सेवा हैं। सेवा के लिये धन, बुध्दि, साधन हो ऐसा जरुरी नहीं हैं, अंतर्मन के भाव के बिना सेवा संभव नहीं हैं। हम कालखंड से ही देखते आए हैं, गाय को रोटी और पक्षियों को दाना खिलाया जाता हैं। अतिथि देवो भव की संस्कृति भारत की हैं, दरवाजे पर आए को विन्मुख हो कर ना भेजना ऐसा होता आ रहा है इस लिये भारत का व्यक्ति कहता हैं कि धरती पर केवल मेरा अधिकार नहीं हैं, पशु, पक्षी, देव, मानव सबका हैं और ईश्वर की आराधना के रुप में भी हम सेवा ही करते हैं,इसलिये सेवा का दायरा सीमित नहीं हैं। अंदर से ईश्वर को जागृत करना ही सच्ची सेवा हैं, जो संत ईश्वर सेवा फाऊंडेशन कर रहा है।इस समारोह का उद्देश्य उन व्यक्तियों ,सेवा साधकों एवं संस्थाओं को सम्मानित करना है जो अपने जीवन में प्रचार-प्रसार से दूर रहकर केवल समाज की सेवा में रत राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। इसके पहले श्री ओम बिरला ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में जिन्होंने उत्कृष्ट कार्य किया जिससे समाज की प्रेरणा मिलेगी।

विरासत और उसके आयामः वास्तुकला और क्षेत्रीय योजना विभाग, एसओई, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में एक शानदार सफलता

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर : गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय और (सीएसआईआर-सीबीआरआई) रूड़की के सहयोग से, चल रहे प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में 3 अक्टूबर, 2023 को विरासत के विविध पहलुओं का पता लगाने के लिए एक रोशन यात्रा पर निकला। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में एनसीसीबीएम के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह की सम्मानजनक उपस्थिति के साथ, विरासत संरक्षण में प्रतिभाशाली विद्वान एक साथ आए, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।डीन डॉ. कीर्ति पाल सिंह के कुशल मार्गदर्शन और वास्तुकला और क्षेत्रीय योजना विभाग की प्रमुख, आर्किटेक्ट माधुरी अग्रवाल, डॉ. अचल मित्तल, मुख्य वैज्ञानिक सीएसआईआर सीबीआरआई रूड़की, यह कार्यक्रम विरासत संरक्षण के एक उल्लेखनीय उत्सव के रूप में सामने आया, जिसने भारत के विभिन्न कोनों से विद्वानों, शोधकताओं और उत्साही लोगों को आकर्षित किया।विरासत और उसके आयामश्र थीम वाले इस कार्यक्रम ने विभिन्न चचाओं और प्रस्तुतियों के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जिसका उद्देश्य विरासत की बहुमुखी प्रकृति को समझना था। सहयोगात्मक प्रयासों ने विरासत संरक्षण के महत्व और संस्कृति, इतिहास, वास्तुकला और पर्यावरण पर इसके विविध प्रभावों की गहरी समझ को बढ़ावा देने का प्रयास किया।वैज्ञानिक अनुसंधान और विरासत संरक्षण के क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रसिद्ध डॉ. एल.पी. सिंह ने एक विचारोत्तेजक मुख्य भाषण दिया। उन्होंने आधुनिक युग में विरासत संरक्षण से जुड़ी जटिल चुनौतियों से निपटने में सहयोग और अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।इस दिन को सीएसआईआर-सीबीआरआई और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ डॉ. अचल मित्तल, मुख्य वैज्ञानिक, डॉ. देबदत्त घोष और डॉ. सिद्धार्थ बेहरा द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला द्वारा चिह्नित किया गया था। इन प्रस्तुतियों में नवीन संरक्षण तकनीकों, विरासत संरक्षण में डिजिटल प्रौद्योगिकियों के एकीकरण और विरासत संरक्षण के सामाजिक-आर्थिक निहितार्थ सहित कई विषयों को शामिल किया गया।इस आयोजन का एक मुख्य आकर्षण ज्ञानवर्धक पैनल चर्चा थी, जिसमें क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्वान और अभ्यासकर्ता शामिल हुए। इन चचाओं में विरासत और पर्यटन के बीच सहजीवी संबंध, विकास और संरक्षण के बीच नाजुक संतुलन और विरासत संरक्षण में प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक अनुप्रयोगों जैसे विषयों का पता लगाया गया।दिन का समापन एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ जिसने प्रतिभागियों को अपने दृष्टिकोण साझा करने, उत्साही चर्चा में शामिल होने और विरासत संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर स्पष्टीकरण मांगने को प्रोत्साहित किया गया।अपने समापन भाषण में, डॉ. एल.पी. सिंह ने इस आयोजन में व्याप्त सहयोगात्मक भावना की सराहना की। उन्होंने विरासत संरक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की सराहना की।मुख्य वैज्ञानिक डॉ. अचल मित्तल, डीन डॉ. कीर्ति पाल सिंह और विभागाध्यक्ष आर्किटेक्ट माधुरी अग्रवाल के मार्गदर्शन में सीएसआईआर-सीबीआरआई रूड़की और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बीच सहयोगात्मक प्रयास, शानदार सफलता के रूप में उभरीं। इसने हमारी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की सुरक्षा और प्रचार-प्रसार में अंतःविषय सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के महत्व को रेखांकित किया। इस आयोजन की विरासत भारत और उसके बाहर विरासत संरक्षण के परिदृश्य को आकार देने के लिए तैयार है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी सामूहिक विरासत को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता को प्रतिध्वनित करती है।

संक्षिप्त डायरी

नोएडा में खाना बनाते समय आग लगने से तीन झुग्गियां खाक

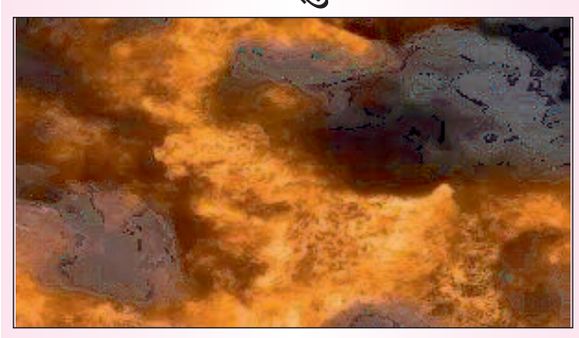

संवाददाता

नोएडा, । उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा में रविवार सुबह एक झुग्गी बस्ती में खाना बनाते समय आग लग गई और लपटें तीन अन्य झुग्गियों तक फैल गईं। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि घटना नोएडा के सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के बहलोलपुर गांव की है। चौबे ने बताया कि सुबह करीब छह बजे गांव की झुग्गी बस्ती में खाना बनाते समय अचानक आग लग गई। धीरे-धीरे आग ने तीन अन्य झुग्गियों को भी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना पर दमकल विभाग की दो गाड़ियां और स्थानीय पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंच गई। कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बिजनेस पार्टनर ने युवती से की अभद्रता

नोएडा, । ग्रेटर नोएडा की एक युवती ने सेक्टर-51 में रहने वाले बिजनेस पार्टनर पर अभद्रता, छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर 49 थाना पुलिस ने करीब दो माह बाद मुकदमा दर्ज किया। युवती ने पुलिस को बताया कि वह कपड़े डिजाइन करने का काम करती हैं। उन्होंने सेक्टर-51 में रहने वाले अभिलाष अग्रवाल के साथ काम शुरू किया था। 23 जुलाई को बिजनेस को लेकर सेक्टर-51 में बैठक बुलाई थी। बैठक में अभिलाष काफी देर में पहुंचे और शराब के नशे में थे। बैठक के दौरान आरोपी को गुस्सा आ गया। नशे में उन्होंने जोर से बोलना और गाली-गलौज शुरू कर दिया। बैठक में शामिल लोगों ने किसी तरह शांत करने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। आरोप है कि अभिलाष पीड़िता के बाल पकड़कर अभद्रता और गाली- गलौज की। शिकायत करने की बात कहने पर जान से मारने की धमकी दी। छेड़छाड़ करते हुए मोबाइल भी तोड़ दिया। पीड़िता के मुताबिक आरोपी ने उनके डिजाइन भी रख लिए। थाना प्रभारी संदीप चौधरी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

नकली सामान बेचने के मामले में दो पर मुकदमा

नोएडा, । कंपनी का नकली सामान बाजार में बेचने के आरोप में दो दुकानदारों के खिलाफ फेज दो थाने में केस दर्ज कराया गया है। कंपनी के अधिकृत अधिकारी ने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी है। दिल्ली के जैतपुर के हितेंद्र शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह वर्तमान में कंसल्टेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में बतौर ऑपरेशन मैनेजर कार्यरत हैं। उन्हें बीते दिनों सूचना मिली की फेज दो थानाक्षेत्र में कुछ लोग बॉस कंपनी का नकली सामान बेच रहे हैं। शिकायतकर्ता मय पुलिसबल दादरी रोड स्थित एक मशीनरी स्टोर पर पहुंचा। वहां दुकान की तलाशी लेने पर नामी कंपनी का टैग लगा भारी संख्या में सामान मिला। विक्रेता ने अपना नाम साद बताया। पास की ही एक अन्य दुकान की तलाशी लेने पर वहां भी नकली सामान बरामद हुआ। दुकान के मालिक ने अपना नाम परवेज बताया। दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पूर्व में थानाक्षेत्र में नकली नमक और कपड़ा बेचने का मामला भी सामने आ चुका है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बापू के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 154वी जयंती पर यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय में मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरुणवीर सिंह जी एवं प्राधिकरण के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बापू के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए। इस अवसर पर प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी श्री शैलेंद्र भाटिया द्वारा महात्मा गाँधी जी से संबंधित दक्षिण अफ्रीका का वृतांत सुनाया गया। अपर मुख्य अधिकारी श्री कपिल सिंह जी द्वारा गाँधी जी की पुस्तक माई एक्सपेरिएंस विद ट्रुथ से संबंधित घटनाओं को आज के संदर्भ में को-रिलेट कर प्रस्तुत किया गया। प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर अरुणवीर सिंह जी द्वारा महात्मा गाँधी के सिद्धांतों का अमल करने एवं महात्मा गाँधी द्वारा दिए गए अनुशासन, सिविल सेवा, समय की कद्र करने संबंधित सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने की सलाह दी गई। महात्मा गाँधी के स्वच्छता के सिद्धांत को प्राधिकरण में आत्मसात करने की भावना के साथ अगले तीन माह में प्राधिकरण क्षेत्र में साफ सफाई मेंटेनेंस ब्यूटिफिकेशन के कार्यों को करने का मंत्र दिया गया। आज राष्ट्र द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 119 जयंती भी मनाई जा रही है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर भी माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए तथा सभी से श्री लाल बहादुर शास्त्री जी द्वारा जीवन में अपनाए गए सादगी वह सुचिता के मंत्र को आत्मसात करने का मंत्र दिया गया।

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में युवती के सिर पर वार कर हत्या की

नोएडा, । उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा में एक युवती के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) सुनीति ने बताया कि घटना इकोटेक-तीन पुलिस थाना क्षेत्र के हबीबपुरा गांव की है। उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान पिंकी (25) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आज सुबह पुलिस को सूचना मिली की हबीबपुरा गांव में एक युवती की हत्या कर दी गई है। सूचना पर स्थानीय थाना पुलिस और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और स्वान दस्ते को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। उन्होंने दावा कि कुछ अहम सुराग भी हाथ लगे हैं। हालांकि, अभी तक मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल में गांधी जयंती के उपलक्ष में निकली गाई स्वच्छता अभियान रैली

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। विद्यानगर दादरी स्थित सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल में आज 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के उपलक्ष में स्वच्छता अभियान पर रैली निकाली गई। हर साल देश में 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जी के जन्मदिवस को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस बार गांधी जी के 154वी जयंती के उपलक्ष में विद्यालय में निबन्ध एवम चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया ।जिसमें से सर्वश्रेष्ठ बच्चों को

चयन किया गया है। इसके अलावा विद्यालय में विशेष सभा का आयोजन किया गया जिसमें गांधी जी को याद करके उनके बारे में बताया गया। विशेष सभा में गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन से जुड़े कुछ तथ्य को प्रस्तुत किया गया। विद्यालय में प्रभात फेरी का भी आयोजन किया गया विद्यालय के एनसीसी अभ्यर्थी , स्काउट गाइड के बच्चों द्वारा रैली निकली गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉक्टर आशा शर्मा जी रैली का शुभारंभ करके गांधी जी को याद किया।

ग्राम रूपवास में 2 अक्टूबर दो दिवसीय कबड्डी टूनार्मेंट का फाइनल लखावटी और जेडीबी के बीच रहा

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर । दादरी तहसील के रूपवास गांव में और वर्ष की भांति इस बार भी दो,दिवसीय विशाल कबड्डी टूनार्मेंट का आयोजन हुआ जिसमें आयोजक करता बीकेयू अंबावता संगठन के किसान नेता एवं कमेटी अध्यक्ष राजकुमार रूपबास ने बताया,की कबड्डी का, उद्घाटन करता हर केन प्रसाद पूर्व इनकम टैक्स रिटायर्ड एवं शुभारंभ करता माननीय नवाब सिंह नागर जी पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं तेजपाल नागर जी विधायक दादरी वे श्री चंद शर्मा एमएलसी शिक्षक विधायक ने किया जिसमें टोटल 36 टीमों ने भाग लिया जिसमें रूपवास डेरिंग मलकपुर दादरी अकैडमी पलापुभारी दिल्ली गाजियाबाद निर्गुलिया अकैडमी सोनीपत जेडी नोएडा जेडी अकैडमी जीडी ग्रीन अकैडमी खेडी भनोता नई बस्ती लखावटी ऐ लखावटी बी राजू भूप खेड़ी मलकपुर चितेरा मुजफ्फरनगर दिल्ली इमलिया जेपी ग्रीन आदि टीमों ने भाग लिया जिसमें सभी टीमों के बीच रोमांचक खेल रहा और जिसमें लखावटी टीम के कोच राहुल चौधरी इंडिया प्लेयर प्रो कबड्डी की टीम और जेडीबी ग्रेटर नोएडा के बीच फाइनल मुकाबला रहा जिसमें लखावटी की टीम ने 28 अंक प्राप्त किया जिसमें उनके मुकाबला करते हुए जेडीबी टीम

ने 13 अंक प्राप्त किया फाइनल मुकाबला दोनों के बीच रहा लखावटी प्रथम स्थान पर रही और द्वितीय स्थान पर जेडीबी एकेडमी रही जिनको 90 वर्षीय बुजुर्ग बाबा चरण सिंह एवं कमेटी और ग्राम वासियों ने इनाम राशि देकर सम्मानित किया प्रथम इनाम राशि 41000 एवं ट्रॉफी देकर एवं द्वितीय टीम को 21000 एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया तृतीय टीम को उचित नाम देकर सम्मानित किया बेस्ट राइटर भानु लखावटी टीम के रहे बेस्ट डिफेंडर साहुल जावला लखावटी टीम का गोल्ड मेडल स्पेशलिस्ट रहे इस मौके पर कमेटी अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपबास चिंता प्रधान सुरेश प्रधान सुरेंद्र नेता जी इकराम प्रधान भूले मुकदम सत्येंद्र कुमार सनोज मुकदम अजीत प्रधान अनु कुमार भगत जी महेश एडवोकेट नरेश कुमार दीपक कुमार मनीष कुमार कुलदीप कुमार कपिल कुमार शेरू पहलवान ईश्वर सिंह संजय प्रधान जयपाल हवलदार विक्रम सिंह महिपाल भीम गुर्जर धूम सिंह भगत जी कृष्ण कुमार प्रशांत कुमार बलराज यतेंद्र कसाना आदि ग्राम वासी मौजूद थे।

समूह गान प्रतियोगिता में सिटी हार्ट अकादमी स्कूल रहा अव्वल

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। भारत विकास परिषद, दादरी द्वारा आज राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन आर. जी. गार्डन फार्म हाउस जी. टी. रोड दादरी पर किया गया ।कार्यक्रम देश भक्ति से ओत प्रोत राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 7 विद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया ' सभी बच्चों ने देशभक्ति से प्ररित गानो का गायन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय अध्यक्ष श्री पंकज सक्सेना जी व विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांतीय महासचिव श्री नरेन्द्र शर्मा जी उपस्थित रहे ' राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सिटी हार्ट अकादमी स्कूल, दादरी,द्वितीय स्थान आर. वी. नॉर्थ लैंड इंटरनेशनल स्कूल, दादरी,तृतीय स्थान डिसेंट पब्लिक स्कूल, दादरी ने प्राप्त किया ,समूहगान प्रतियोगिता का निर्णय करने के लिए तीन जजों की निर्णायक टोली ने परिणाम घोषित किये ' सभी विजयी टीमो को प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। विजयी स्कूल को भी ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। स्कूल पहुँचने पर स्कूल की प्रधानाचार्या रुचि भाटी व डायरेक्टर संदीप भाटी ने बच्चों व संगीत अध्यापक को

बधाई दी व अगले पड़ाव में भी विजयी होने की शुभकामनाये दी। अंत में राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।कार्यक्रम के दौरान शाखा अध्यक्ष अतुल सिंघल, सचिव गौरव गोयल, कोषाध्यक्ष योगेश गर्ग, महिला संयोजिका नेहा बंसल, कार्यक्रम संयोजक प्रमोद बंसल व भारत विकास परिषद के सभी साथी, सभी स्कूलों से आये हुए अध्यापक व अध्यापिकाएं मौजूद रही।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत सति भाई साई दास सेवा सीमित के प्रांगण में शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन

रोहतक। हरियाणा लोक कला संस्थान ने हरियाणा कला परिषद् (रोहतक मंडल) के सहयोग से सति भाई साई दास सेवा सीमित के प्रांगण में मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद डॉ. अरविन्द शर्मा, पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर रहे। कार्यक्रम के अन्य आमन्त्रित अतिथि रणबीर ढाका जिला अध्यक्ष भाजपा रोहतक, मेयर मनमोहन गोयल रोहतक, शमशेर खडखड़ा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, सतीश नांदल प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, अजय बंसल प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल सहगल, सुरेश किरार जिला महामंत्री भाजपा एवं आशा शर्मा जिला महामंत्री महिला मोर्चा रही। कार्यक्रम का शुभारंभ वीर शहीदों को पुष्पाजंलि एवं द्वीप प्रज्जलवित कर किया गया।

इस अवसर पर आमन्त्रित लोक कलाकारों ने देश भक्ति गीत, रागनी गाकर दर्शकों की खूब तालिया बटोरी एवं शहीदों की शहादत याद दिलाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अरविन्द शर्मा ने बताया कि शहीदों ने देश के लिए बहुत कुछ किया है और उनके बलिदान को भुलाया नहीं भुलाया नहीं जा सकता है। हम सब भारतीयों को मिलकर देश को आगे बढ़ाना चाहिए। मंत्री मनीष ग्रोवर ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि वीर शहीदों की शहादत को हमें भूलना नहीं चाहिए एवं युवाओं को देश के लिए अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए। कार्यक्रम में 15 भूतपूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संचालक एवं हरियाणा लोक कला संस्थान के अध्यक्ष शीशपाल ने सभी आमन्त्रित अतिथियों एवं दर्शकों का अंत में धन्यवाद किया और ऐ मेरे वतन के लोगों गीता गाकर शहीदों को याद किया एवं कार्यक्रम का समापन किया। इस अवसर पर महेन्द्र सिंह सह संयोजक भाजपा , रामधारी सह संयोजक रोहतक, पवन कटारिया सह संयोजक, रीकू कलानौर सह संयोजक, मनोज कुमार सह संयोजक, सन्तोष सह संयोजक और राहुल बागड़ी आदि उपस्थित रहे।

डीयू में नौकरी की भरमार: अब हर महीने प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने की तैयारी

डीयू का प्लेसमेंट सेल हर महीने प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने की योजना पर काम कर रहा है। शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए 15 अक्तूबर से प्लेसमेंट में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरु हो सकती है।

चंडीगढ़। दिल्ली विश्वविद्यालय में अब छात्रों के लिए हर माह नौकरी के दरवाजे खोलने की तैयारी हो रही है। डीयू का प्लेसमेंट सेल हर महीने प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने की योजना पर काम कर रहा है। यदि सब ठीक रहा तो शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए इस माह के मध्य से (15 अक्तूबर) प्लेसमेंट में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरु हो सकती है। उसके बाद कैंपस में कंपनियों का आना शुरु हो जाएगा। हर माह प्लेसमेंट सेशन आयोजित करने के पीछे प्रशासन का प्रयास प्लेसमेंट में हिस्सा लेने वाले प्रत्येक छात्र को नौकरी दिलाना है।

डीयू में नया सत्र शुरू होने के बाद प्लेसमेंट सेल की ओर से पंजीकरण प्रक्रिया को शुरु किया जाता है। प्लेसमेंट सेल में पंजीकृत छात्रों को ही कंपनियों के समक्ष लिखित परीक्षा या साक्षात्कार देने का अवसर मिलता है। सेल प्रति वर्ष अक्तूबर से मार्च-अप्रैल तक पांच से छह प्लेसमेंट सेशन आयोजित करता है।

डीयू की सेंट्रल प्लेसमेंट इंचार्ज प्रो हेना सिंह ने बताया कि हम प्रत्येक माह प्लेसमेंट सेशन आयोजित करने की योजना पर काम कर रहे हैं। इसे

अक्तूबर के मध्य तक ही अंतिम रूप दिया जा सकेगा। हर माह प्लेसमेंट सेशन आयोजित होने से छात्रों को नौकरी के ज्यादा अवसर मिल सकेंगे। वहीं कंपनियों को भी अच्छे छात्रों की आवश्यका होती है।

पंजीकरण प्रक्रिया शुरु होने के बाद कैंपस में कंपनियां आना शुरु हो जाएंगी। अभी छोटी-बड़ी व नई-पुरानी कई कंपनियों से बातचीत जारी है। हमारी यह कोशिश है कि प्लेसमेंट सेशन में हर छात्र को नौकरी का बेहतर ऑफर हो। बीते साल हुए प्लेसमेंट सेशन के दौरान स्नातक स्तर के 600 से अधिक छात्रों को 3.5 लाख से लेकर 12.5 लाख रुपये तक के जॉब ऑफर प्राप्त हुए थे। डीयू का प्रयास है कि इस साल के ऑफर बीते साल से अधिक हो पैकेज भी अच्छा मिले।

नवंबर में जॉब मेला होगा आयोजित

डीयू का सेंट्रल प्लेसमेंट सेल छात्रों को नौकरी दिलाने के लिए जॉब मेला आयोजित करने की योजना भी बना रहा है। इसे नवंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह तक आयोजित किया जा सकता है। प्रशासन इसके लिए अलग से तैयारी कर रहा है। इसमें ज्यादा से ज्यादा नौकरी से लेकर इंटर्नशिप प्राप्त हो इस बात की कोशिश है।

सीवी और साक्षात्कार की तैयारी भी कराई जाएगी

नौकरी पाने के लिए छात्र अपना बॉयोडेटा-सीवी कैसे बनाएं। साक्षात्कार और लिखित परीक्षा में समय प्रबंधन का ध्यान कैसे रखें। इन बातों की छात्रों को तैयारी कराई जाएगी। इसके लिए ओरिएंटेशन कम स्किल इनहेंनसमेंट सेशन आयोजित किए जाएंगे। इसमें विशेषज्ञ छात्रों को सीवी बनाने और बेहतर समय प्रबंधन की ट्रेनिंग देंगे।

डीएलएसए ने स्वच्छता ही सेवा के तहत आमजन को जागरूक करने के लिए शिविरों का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम दुष्यंत चौधरी ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा-निर्देशानुसार डीएलएसए द्वारा स्वच्छता ही सेवा के तहत विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में पैनल के अधिक्ता तुषार सैनी, कुलदीप आल्याण, पीएलवी अमनप्रीत व राजपाल द्वारा गांधी नगर, लायलपुर कॉलोनी, रेलवे स्टेशन और पिपली बस स्टैंड पर सफाई कर्मचारियों को पौधे वितरित किए गए। सीजेएम नितिन राज ने कहा इस कैंप का उद्देश्य है लोगों को स्वच्छता के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूक करना है, क्योंकि अगर हर तरफ स्वच्छता होगी तभी हम सब स्वस्थ होंगे। सफाई कर्मचारी इसमें अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। हमें अधिक से अधिक पौधे रोपित करने चाहिए ताकि वातावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखा जा सके।

भवन निर्माण को लेकर हुई जाट समाज की बैठक

सिवानी। जाट समाज की सामान्य बैठक किसान भवन में हुई । इसमें निर्णय लिया गया की जाट भवन का निर्माण कार्य अति शीघ्र शुरू किया जाए। सभी जाट समाज के गणमान्य लोगों ने भवन निर्माण को लेकर अपने अपने सुझाव दिए। जाट सेवा समिति के प्रधान विद्याधर पिलानिया ने कहां की जाट समाज एक भव्य जाट भवन बनाएगा। आज की बैठक में धनसिंह श्योराण राजेंद्र सुरा राजेंद्र ख्यालिया प्रताप सुरा राजबीर सहारण अनिल खीचड़ इत्यादि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे

बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के अंतर्गत श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

चंडीगढ़- हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के तहत आज अम्बाला शहर में जिला स्तरीय स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और सफाई कार्य में श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। इससे पूर्व उन्होंने आज के स्वच्छता कार्यक्रम में लगे स्वयं सेवकों व सफाई कर्मचारियों को झंडी दिखाकर जिला स्तरीय स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होनें कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 154वीं जयंती के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा देश की जनता से किए गए आह्वान पर आयोजित राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के लिए किए जा रहे श्रमदान के लिए वे हार्दिक मुबारकबाद एवं शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर आज पूरे देश में एक अक्टूबर को प्रात: 10 बजे से देशव्यापी स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने देश के सभी नागरिकों से सामूहिक रूप से 'स्वच्छता के लिए एक घंटे का श्रमदान' करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सफाई कार्य के लिए श्रमदान कार्यक्रम एक दिन का कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें। उन्होंने कहा स्वच्छता को लेकर हमें अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत हैं। जब हमारा वातावरण साफ सुथरा रहेगा, तो हम रोगों से दूर रहेंगें। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मी तो अपनी ड्यूटी करते ही है, वे सफाई का कार्य कर हमें बीमारियों से बचाते हैं, जोकि एक प्रकार से हमारे सामने भगवान के रूप में खड़े होते हैं। हमें भी अपने घर व बस्तियों, गांवों में साफ सफाई रखने के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोड व अन्य सार्वजनिक स्थानों गंदगी न फैलाएं और स्वच्छ भारत एवं श्रेष्ठ भारत बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि श्रमदान करने से एकजुटता व अनुशासन की भावना आती हैं। उन्होंने कहा कि इस मेगा सफाई

अभियान में देश व हरियाणा प्रदेश के सभी नागरिक अपने-अपने गली-मोहल्लों, क्षेत्रों में शिक्षण संस्थानों, बाजारों, रेलवे पटरियों, जल-निकायों, पर्यटक स्थलों, धार्मिक स्थानों आदि जैसे सभी सार्वजनिक स्थानों की वास्तविक सफाई गतिविधियों में श्रमदान करके अपना योगदान देगें। सभी नागरिकों के अलावा आज हमारे देश-प्रदेश के प्रत्येक शहर, ग्राम पंचायतें व सरकार के सभी संस्थान नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता कार्यक्रम को सफल बनाएंगे, जोकि 'स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा-2023' का एक हिस्सा है।

किसान अधिकारियों के आगे पीछे भाग रहे है-रतनमान

करनाल। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने मौजूदा धान खरीद सीजन में अनाज मंडियों में धान की समूचित तौर पर खरीद न किए जाने पर कड़ा एतराज जताते हुए आने वाली 3 अक्तूबर को करनाल डीसी के ऑफिस पर धरना व प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि किसान अधिकारियों के आगे पीछे भाग रहे है। मंडियों में धान बिक्री को लेकर किसान परेशान हो रहे है। स्थानीय अर्जुन नगर स्थित किसान भवन में आयोजित की गई जिला स्तरीय मासिक किसान पंचायत को संबोधित करते हुए रतनमान ने कहा कि अगर धान खरीद के हालात नही सुधरे तो 3 अक्तूबर सुबह 10 बजे करनाल में किसान एकत्रित होकर डीसी ऑफिस पर आंदोलन करने के लिए मजबूर हो जाएगें। मासिक किसान पंचायत की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह घु6मन व संचालन जिला महासचिव सुरेंद्र सिंह बैनीवाल किया। इस बीच पंचायत में उपस्थित आक्रोषित किसानों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर अपना रोष जाहिर किया। पंचायत को प्रदेश सरंक्षक प्रेमचंद शाहपुर, किसान नेता बाबूराम बड़थल, प्रदेश संगठन मंत्री शाम सिंह मान, चेयरमेन यशपाल राणा, प्रवक्ता सुरेंद्र सागवान सहित कई किसान नेताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। सभी किसान नेताओं ने सरकार द्वारा धान की सही खरीद न किए जाने को लेकर सरकार की जमकर आलोचना की। रतनमान ने कहा कि यदि धान खरीद की 3 अक्तूबर तक सही खरीद व्यवस्था नही की गई तो भाकियू के बैनर तले कड़ा आंदोलन किया जाएगा। पंचायत में किसानों ने कहा कि मंडियों में पहुंच रहे अधिकारी भी धान खरीद की व्यवस्था सुधारने में विफल हो रहे है। किसानों को टरकाया जा रहा है। जिसकी वजह

से किसान दुखी होकर मंडियों में अपने स्तर पर किसान एकत्रित होकर आंदोलन करने के लिए मजबूर हो रहे है। किसान नेता रतनमान ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि सभी किसान अपनी अपनी समस्या को लेकर ज्यादा से ज्यादा संख्या में आने वाली 3 अक्तूबर को सुबह 10 बजे करनाल के डीसी ऑफिस पर पहुंच कर अपनी आवाज को बुलंद्र करे। इस अवसर पर किसान नेता नेकीराम, राम दुरेजा, विनोद राणा, बाबूराम डाबरथला सहित काफी संख्या में किसान मौजूद थे।

प्रदीप जेलपुरिया की प्रस्तुति से गुंजायमान हुआ सभागार

हिसार। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक में चल रही तीसरी नेशनल कैडेट जूनियर एवं सीनियर वेटरन ग्रेपलिंग चैंपियनशिप 2023 का आयोजन हो रहा है। पूरे भारतवर्ष के 22 राज्यों से लगभग 1500 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिसमें महिला एवं पुरुष विभिन्न भार वर्ग में अपनी मुकाबले करके अपने दम दिखाकर के मेडल जीत कर अपने अपने राज्य का नाम चमका रहे हैं । इस आज के आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि विश्व विख्यात बॉडीबिल्डर सोनू जॉन पधारे प्रमुख साहित्यकार गीता भारद्वाज एवं प्रमुख समाजसेवी एवं व्यवसायी आशीष सिंघल पारुल सिंगल विशिष्ट अतिथि थे। कुशल मंच संचालन और रजनी बेनीवाल एवं प्रसिद्ध गायक व लेखक प्रदीप जेलपुरिया ने किया। अब तक हुए ग्रेपलिंग मुकाबले में वैसे तो प्रत्येक राज्य के प्रतिभागियों मेडल जीत रहे हैं परन्तु हरियाणा के पुरूष और महिला वर्ग मेडल जीतने में आगे हैं। आपको बता दें कि ग्रेपलिंग पुरातन में होने वाले मलयुद्ध का ही सुधारा हुआ रुप है।

बिरजू शर्मा महासचिव ,भारतीय ग्रैपलिंग कमेटी ,विनोद शर्मा कोषाध्यक्ष भारतीय ग्रेपलिंग कमेटी, नीलम आर्य,आशीष सिंगल समाजसेवी नोएडा दिल्ली, शुभम चौधरी अध्यक्ष जी सी आई उत्तर भारत, जगमेंद्रु पांचाल सीनियर टेक्निकल डायरेक्टर जीसीआई ,राजकुमार अध्यक्ष हिमाचल ग्रेपलिंग कमेटी, गोपाल समोटा महासचिव हिमाचल ग्रेपलिंग कमेटी , प्रेम चहल, प्रदीप जेलपुरिया, विजय सांगवान, रन सिंह पवार मीडिया डायरेक्टर, हरियाणा ग्रैपलिंग कमेटी जयवीर डांगी, संजीव कादियान इत्यादि मौजूद थे।

जींद की पावन धरती पर वैश्य संकल्प रैली का आयोजन तीन राष्ट्रीय संगठनों द्वारा किया गया

जींद- जींद की पावन धरती पर वैश्य संकल्प रैली का आयोजन तीन राष्ट्रीय संगठनों द्वारा किया गया। रैली में प्रदेश भर से भारी संख्या में महिला, पुरुष व युवाओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ भाग लिया। रैली के प्रति वैश्य समाज में बड़ा भारी जोश दिखा। रैली ग्राउंड खचाखच भरा हुआ था और रैली मैदान से ज्यादा आदमी रैली ग्राउंड के बाहर थे। इस अवसर पर एस एल ग्रुप के चेयरमैन व पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ सुभाष चंद्रा ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह रैली नहीं रैला है, पूरे देश में वैश्य समाज एकजुट है राष्ट्र और जनता के हित में काम कर रहा है समाज के जरूरतमंद व्यक्तियों को ऊंचा उठने के लिए हम अग्रोहा धाम में एक हजार करोड रुपए कि लागत से सहायता कोष बनाने जा रहे हैं जिसमें मेरी तरफ से 10 करोड़ रुपए लगाने के साथ-साथ पूरे देश के वैश्य समाज से सहयोग लिया जाएगा। डॉ सुभाष चंद्रा ने कहा कि देश के वैश्य समाज की सेवा के लिए मैं 24 घंटे तैयार हूं, और वैश्य समाज को ज्यादा से ज्यादा राजनीति में आगे लाने में मेरा पूरा सहयोग रहेगा। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल ने कहा कि समाज को एकजुट होकर सबकी मदद करनी चाहिए। वैश्य समाज महाराजा अग्रसेन जी के आदेशों पर चलकर राष्ट्र व जनता की सेवा में रात-दिन लगा हुआ है अब हमे समाज को आगे लाने के लिए ज्यादा से ज्यादा राजनीति में

हिस्सेदारी करने की जरूरत है। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि देश व प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा वैश्य समाज के व्यक्ति राजनीति में अपनी हिस्सेदारी करेगा। केंद्र व हर राज्यों की सरकारों को वैश्य समाज के युवाओं को सरकारी नौकरी में पूरी हिस्सेदारी देनी चाहिए? अगर किसी सरकार ने व सरकारी अधिकारी ने व्यापारी व वैश्य समाज के व्यक्ति को तंग करने की कोशिश की तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। केंद्र सरकार को महाराजा अग्रसेन जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करना चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा बच्चों के रिश्तों व विवाह-शादी में समाज को पहली मिलनी महान पुरुष महाराजा अग्रसेन जी के नाम पर निकाले। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महासचिव उमेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्य संकल्प रैली को सफल बनाने के लिए मैं सभी को बधाई देता हूं। रैली हरियाणा में नया इतिहास रचेगी? हमारा उद्देश्य समाज के संगठन को मजबूत करना है और समाज के व्यक्तियों को ऊंचा उठाना है। समाज की हमारी कमेटी सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं से मिलेगी और सभी पार्टियों के नेताओं से वैश्य समाज के व्यक्तियों को लोकसभा, राज्यसभा व विधानसभा में टिकट देने के लिए दबाव बनाया जाएगा। हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष राजीव जैन ने कहा की हर राजनीतिक पार्टियों को समाज के व्यक्तियों को हरियाणा में 1 लोकसभा, 1 राज्यसभा व 15 विधानसभा की टिकट देनी चाहिए। वैश्य समाज के दो बार मुख्यमंत्री बने। पहले हमारे 18 विधायक हुआ करते थे मगर समाज के लोगों का ज्यादातर व्यापार व उद्योग में ध्यान होने के कारण राजनीति में वैश्य समाज की हिस्सेदारी कम होती गई,

कांग्रेस ने कभी भी नही किए जनता से झूठे वायदे : रमेश फुले

तरावड़ी। कांग्रेस पार्टी के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत रविवार को गांव संधीर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे कांग्रेस पार्टी के नेता रमेश फुले पहुँचे। उन्होंने एक बैठक को सम्बोधित किया। ग्रामीणों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेस नेता रमेश फुले ने लोगों को कांग्रेस सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। भारत जोड़ो यात्रा निकाली गई थी। इसी का विस्तृत रूप हाथ से हाथ जोड़ो अभियान है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों से महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। इसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। विकास ही कांग्रेस का नारा है। कांग्रेस ने कभी जनता से झूठे वादे नहीं किए। जो भी वादे किए सरकार में आने के बाद उसे पूरा भी किया। कांग्रेस नेता रमेश फुले ने कहा कि हरियाणा के कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहित हैं और 2024

में होने वाले चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेद्र सिंह हुड्डा के कार्याकाल में करवाये गये कामों को याद कर रही है। उन्होंने गांव संधीर में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाकर जनसम्पर्क किया और कांग्रेस का प्रचार किया। लोगों के द्वारा कांग्रेस के प्रति अपनी आस्था व प्रतिबद्धता जताई गई। इस अवसर पर मुलाखराज शर्मा, संदीप, विक्रम, रवि, अंकित, मयंक, सूरज शर्मा, मित्तरसैन शर्मा, दर्शन, मोहित शर्मा, सुखबीर सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

करनाल विधानसभा का जल्द होगा पन्ना प्रमुख सम्मेलन, तैयारियों में हुई बैठक

करनाल। गांव पुंडरक में करनाल में होने जा रहे भारतीय जनता पार्टी के पन्ना प्रमुख सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। गांव पूंडरक में शक्ति केंद्र प्रमुख मदन लाल गुज्जर के निवास पर आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता रामनगर मंडल के महामंत्री प्रमोद नागपाल ने की। बैठक में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला पहुंचे और उन्होंने करनाल में आयोजित होने वाले पन्ना प्रमुख सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही करनाल विधानसभा का पन्ना प्रमुख सम्मेलन होना है जिसकी तैयारी के लिए आप सभी को अभी से ही जुट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं एवं पन्ना प्रमुखों की मेहनत के बल पर आगामी समय में चाहे वह नगर निगम का चुनाव हो या, लोकसभा व विधानसभा के चुनावों में फिर से भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा के लिए चुनाव उत्सव की तरह होते हैं और भाजपा सदा इसके लिए तैयार रहती है भाजपा का पन्ना प्रमुख प्रत्येक वोटर तक पहुंचेगा। भाजपा देश की पहली पार्टी होगी, जिसके बूथों पर पन्ना प्रमुख होंगे। इस अवसर पर सरपंच नरेश कुमार, यादव, विनोद गुर्जर, जयपाल आदि भी मौजूद रहे।

94 साल की उम्र में भी आस्था कम नहीं हुई शीला देवी जैन की

करनाल। करनाल में अब तक सवा करोड़ से अधिक नमोकार महामंत्र का जाप घर घर में हो चुका है। जैन मुनि ऊपेंद्र मुनि जी महाराज की प्रेरणा से पिछले तीन माह से लगातासर णमोकार महामंत्र का जाप चल रहा हैं। अब तक सौ से अधिक घरों में जाप हो चुका हैं। यह सिलसिला तीन माह तक और जारी रहेगा। आज रविवार को गंगा स्टील के संचालक अनिल जैन के निवास पर चौबीस घंटे का लगामतार णमोकार महामंत्र का जाप शुरू हुआ। डपेंद्र मुनि ने स्वयं जाकर मंत्र का जाप करवाया। अनिल जैन ने बताया कि वह खुद 359 उपवास कर चुके हैं। उनका टारगेट पांच सौ एकासन उपवास रखने का हैं। इसकी के साथ उनकी 94 साल की माता जी शीला रानी जैन ने भी इस बार 31 एकासन उपवास रख लिए ळैं। इसके अलावा चार दिन तक वह बिना अन्न जल के उपवास पर रही हैं। उन्होंने बताया कि वह .1 साल की उम्र से उपवास रख रही हैं। उन्होंने कहा कि इस आयु में भी उनकी फिटनेस का राज उपवास और संतुलित जीवन हैं। पर पौते और नाती के परिवार की मुखिया शीला

देवी ने बताया कि उनके रहते आज और कल का समय बदल चुका हैं। पहले आस्था और धर्म के प्रति लोगों में समर्पण था। लेकिन अब लोगों में दिखावा हैं। अनिल जैन ने बताया कि उन्होंने 39 किलो बजन कम कर लिया। उपवास रखने से उन्हें कमजोरी नहीं शरीर की फिटनेस बढ़ गई हैं। इस अवसर पर जाप करने वालों का सुबह पांच बजे से सिलसिला जारी था। अनिल जैन ने बताया कि उनके यहां सवा लाचा णमोकार महामंत्र का जाप पूर्ण होगा। अस अवसर पर संजीव, राजीव सुभाष, हरीश जैन, बीरेश जैन, अशोक जैन, सुशील जैन, पारस जैन, आनंद जैन, महेंद्र जैन, वीरेंद्र जैन, के साथ तमाम लोग मौजूद रहे।

गेहूं पैदावार का मिला नया लक्ष्य; अब 114 मिलियन टन की ओर बढ़े कदम

करनाल। देश के वैज्ञानिक एक बार फिर नए लक्ष्य के साथ गेहूं की पैदावार बढ़ाने में जुट गए हैं। पिछले साल का लक्ष्य 112 मिलियन टन हासिल करने के बाद अब केंद्र सरकार ने वर्ष 2024 के लिए देश की गेहूं पैदावार का नया लक्ष्य (114 मिलियन टन) निर्धारित किया है। इसका खुलासा करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक एवं सचिव डेयर डॉ. हिमांशु पाठक ने कहा कि हमें नई तकनीक, नई किस्मों के बीज, किसानों तक पहुंचाकर और उन्हें जागरूक कर नए लक्ष्य को पाना है।

भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान (आईआईडब्ल्यूबीआर) में करनाल स्थित सभी अनुसंधान संस्थानों के निदेशकों, वैज्ञानिकों और देश के कृषि अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने बीते रोज मंथन किया। इसमें आईआईडब्ल्यूबीआर के निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत के किसानों, वैज्ञानिकों ने गेहूं की पैदावार में बड़ा काम किया है। इस साल भी 16 नई किस्में रिलीज की गई हैं, जो जलवायु सहनशील हैं, लेकिन अभी नई किस्मों पर अनुसंधान लगातार चल रहा है।

अधिक पैदावार वाली नई किस्म

आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने 112 मिलियन टन गेहूं के लक्ष्य को पाने पर आईआईडब्ल्यूबीआर के निदेशक सहित सभी वैज्ञानिकों और देश के किसानों की सराहना करते हुए कहा कि अब भारत सरकार ने 114 मिलियन टन गेहूं की पैदावार का नया लक्ष्य दिया है। हमें इसे चुनौती के रूप में लेना है और इसे हासिल करने के लिए गंभीरता से काम करना है। इसके लिए अधिक पैदावार वाली नई किस्मों, उच्च गुणवत्तापूर्ण बीज, नई तकनीक को समाहित करते हुए किसानों के खेतों तक पहुंचाना है, किसानों को जागरूक करना है। उन्होंने ये भी कहा कि कुछ दिन बाद ही गेहूं की बुवाई शुरू हो जाएगी, प्रयास किया जाए कि किसानों तक गुणवत्तायुक्त, जलवायु सहनशील किस्मों का बीज समय पर पहुंचे।

जो भी किस्म निकले, वो जलवायु सहनशील होनी चाहिए

आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने आईआईडब्ल्यूबीआर के निदेश डॉ.ज्ञानेंद्र सिंह से मुखातिब होते हुए वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती है, इसलिए गेहूं हो या जौ या फिर कोई फसल, जो किस्म नई निकालें, वह जलवायु सहनशील होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो अत्यधिक बारिश, सूखा और अधिक तापमान सहकर भी बेहतर पैदावार दे सकें। जलवायु परिवर्तन पर निकरा परियोजना व कई अन्य तकनीक पर काम हो रहा है। केंद्रीय मृदा एवं लवणता अनुसंधान संस्थान (सीएसएसआरआई), राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) सहित आईसीएआर के कई संस्थानों पर काफी पहले से ही काम चल रहा है।

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

- ब्रेस्टफीट कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीएं।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि.ली. पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पत्थरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांककर ऊपर से एक ग्लास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अलझमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते हैं।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक ग्लास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रखती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी शाइनी बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुंसियों व पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलाइची पाउडर
- 10-15 रेसे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। जब गुड़ पानी में पिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलाइची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक यह मिश्रण थिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहीट करके भी खा सकते हैं।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल-1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटे। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

मितव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 2965

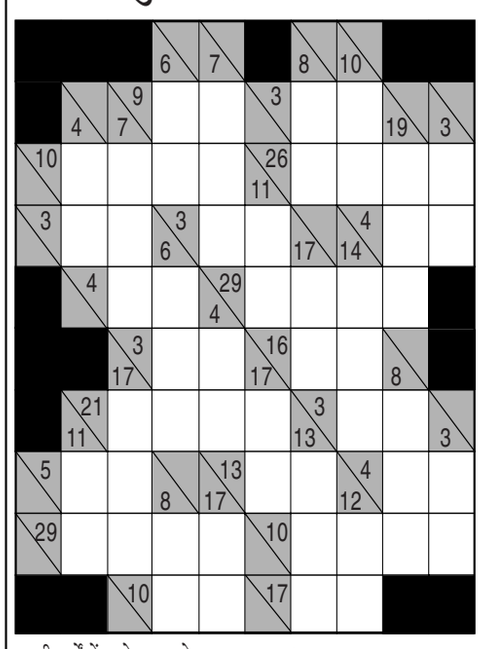

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

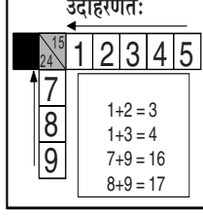

काकुरो -2964 का हल

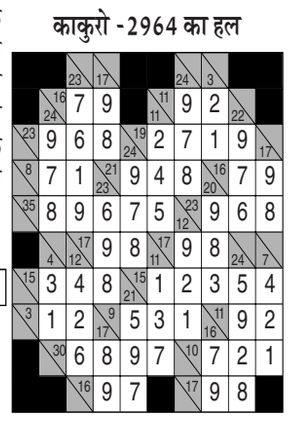

लॉफिंग ज़ोन

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2965

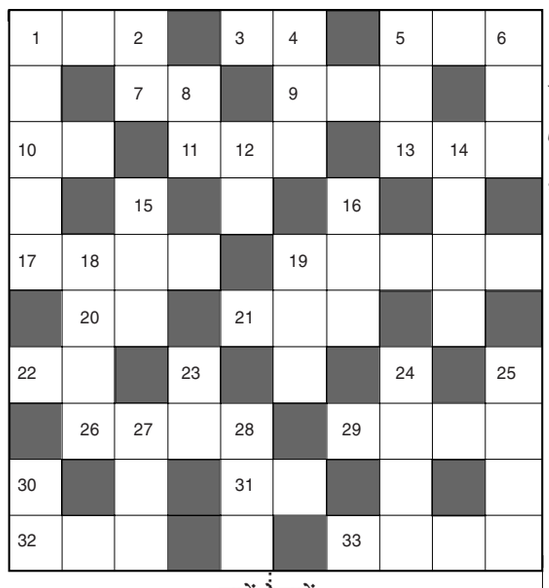

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2964

फा		द	ह	क		र	जू	चा	चा
गु	ला	म		री	ना		ही		ल
न		न	सी	ब		दा		जे	बा
	रॉ		मा		जु	ग	नू		ज
फ	की	र		क	मॉ		त	ब्बू	
र्ज		ज	ख्मी		ना	दा	न		ती
	बा	पू		शू		दा		द	स
म		त	ह	ल	का		द		र
क	र्ज		म		जो	शी	ला		कौ
ड़ी		मा	ला	मा	ल		ल	गा	न

सूडोकु -2965

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2964 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 2965

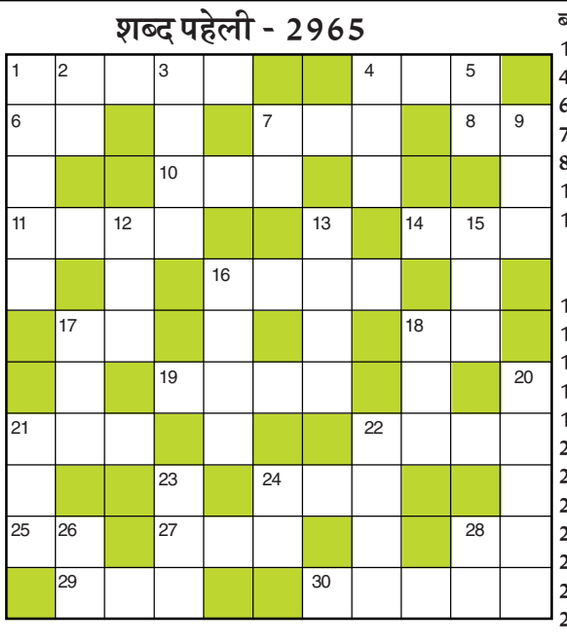

बाएँ से दाएँ

1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट,शर्ट-3
6. लाख,गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान,रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा,उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष,बरस-2
18. लय,स्वर-2
19. गदर,बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरुर,घमंड-4
24. राजा,सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ,फिजूल-3
28. चतुर्थ,चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत,जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर,थाती-4
15. तरंग,हिलोर-3
16. निरंकुश,मुंहजोर-4
17. किनारा,तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया,जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर,भगवान-2
28. प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -2964 का हल

	बं	दा	न	वा	ज		आ	स	मा	न
न	दी		र		ल	बा	दा		र	जा
ब		ज	म	ज	म		ब	री		क
जी	म	ना			ह	ठ		ता	क	त
ब		चा		जे	ल		पे		ता	
न	ग	र	से	ठ		फ	ट	का	र	ना
	री		ना		स	ना		रो		म
सु	ब	ह		दा	म			बा	री	क
र		क	श		झ	न	का	र		र
ता	प		प	र	दा		म		क	ण
ल	थ	प	थ		र	च	ना	का	र	

अगले साल भी रिलीज नहीं हो पाएगी राम चरण की गेम चेंजर

राम चरण आरआरआर के बाद से पैन इंडिया स्टार के रूप में उभरे हैं। अब वह अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ गेम चेंजर फिल्म में नजर आएंगे। राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म गेम चेंजर का फैंस को लंबे समय से इंतजार है। राम चरण के प्रशंसक अब उनकी बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म गेम चेंजर की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज में देरी हो सकती है, क्योंकि एक बार फिर इसकी रिलीज टाल दी गई है।

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर शंकर के जरिए निर्देशित है। फिल्म की रिलीज में एक बार फिर देरी हो गई है और अब जनवरी या 2025 की गर्मियों में सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है और देरी के कारण पूरी टीम निराश है। बताया गया है कि देरी का मुख्य कारण खुद निर्देशक शंकर हैं, क्योंकि वह एक साथ इंडियन 2 की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें कमल हासन मुख्य भूमिका में हैं। इससे पहले ही काफी देरी हो चुकी है और प्रशंसक भी इस स्थिति से नाराज हैं। पहले इस फिल्म को 2023 में रिलीज करने की योजना थी, लेकिन लगातार देरी के कारण इसे 2024 तक बढ़ा दिया गया। अब इसे फिर से 2025 तक विलंबित किए जाने की खबर ने लोगों के बीच काफी हलचल पैदा कर दी है। मुख्य भूमिकाओं के अलावा, फिल्म में अंजलि, एसजे सूर्या, जयराम, सुनील, श्रीकांत और नासर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। गेम चेंजर का निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू द्वारा किया गया है। संगीत थमम एस के जरिए दिया गया है और छायांकन तिरू के जरिए संभाला गया है। इससे पहले सितंबर में भी फिल्म की शूटिंग रद्द किए जाने की सूचना दी गई थी। दरअसल, कुछ प्रमुख कलाकारों की अनुपलब्धता का हवाला देते हुए फिल्म के सितंबर का शूटिंग शेड्यूल रद्द कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर निर्माताओं ने इसकी जानकारी देते हुए साझा किया था, गेम चेंजर का सितंबर शेड्यूल केवल कुछ कलाकारों की अनुपलब्धता के कारण रद्द कर दिया गया है। शूटिंग अक्तूबर के दूसरे सप्ताह में फिर से शुरू होगी।

प्रियामणि ने साझा किया शाहरुख संग काम करने का अनुभव

द फैमिली मैन फेम एक्ट्रेस प्रियामणि हाल ही में शाहरुख खान की फिल्म जवान में नजर आई थीं। अपने दमदार अभिनय से अभिनेत्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। वहीं, अब प्रियामणि के फैंस उन्हें द फैमिली मैन सीजन 3 में एक बार फिर मनोज बाजपेयी के साथ पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इसी बीच अभिनेत्री ने अपने जवान के को-स्टार शाहरुख के लिए अपना प्यार व्यक्त किया है। प्रियामणि से हाल ही में एक इंटरव्यू में पूछा गया कि जब आप दस साल के बाद जवान के सेट पर एक-दूसरे से मिले तो शाहरुख खान की क्या प्रतिक्रिया थी? इसपर अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, उन्होंने बस मुझे देखा और एक बड़ी मुस्कान दी साथ ही मुझे कसकर गले लगाया और कहा कि इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अभिनेत्री से इंटरव्यू में आगे पूछा गया कि क्या एटली के साथ काम करने का मौका था या शाहरुख के साथ फिर से जुड़ने का मौका था, जिसने आपको जवान की ओर आकर्षित किया? प्रिया ने जवाब देते हुए कहा, दोनों। एटली निर्देशित फिल्म होने के कारण यह वह कहानी थी, जिसने मेरे लिए काम किया। शाहरुख खान के साथ अभिनय करना सोने पर सुहागा था। शाहरुख हमेशा से मेरे क्रश रहे हैं। प्रिया से आगे पूछा गया कि जिंदा बंदा डांस सीक्वेंस के बारे में बताएं? इसपर अभिनेत्री ने कहा, मैं ईमानदारी से नहीं जानती थी कि उस गाने में लगभग एक हजार बैकग्राउंड डांसर होंगे, लेकिन मुझे बहुत खुशी है कि एटली सर ने इसके बारे में सोचा। वह कहते थे कि यह एक जेल है। इसलिए हम 50 डांसर रख सकते हैं, लेकिन उन्होंने मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और केरल भर से लड़कियों को बुलाया गया था। प्रियामणि वर्तमान में अपनी हालिया रिलीज जवान की सफलता का आनंद ले रही हैं।

दिल्ली क्राइम 2 में अपने किरदार पर बोलीं शेफाली

अभिनेत्री शेफाली शाह ने दिल्ली क्राइम में डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी का किरदार बखूबी अदा किया। दूसरे सीजन में वह और ज्यादा मजबूत नजर आईं। अपने इस किरदार के लिए उन्हें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2023 का नामांकन भी मिला है। शेफाली को बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए एमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। हाल ही में शेफाली शाह अपनी इस भूमिका के बारे में बात करती नजर आईं। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके लिए बेहद डरावना रहा।

दर्शकों के बीच मिली खास पहचान

शेफाली शाह का कहना है कि वर्तिका के किरदार के प्रति उनमें जुनून है। उसे लेकर वह पजेसिव हैं और सचमुच मानती है कि ऐसा किरदार जीवन में सिर्फ एक बार ही अदा करने का मौका मिलता है। उनका कहना है कि इस रोल ने उन्हें खूब तारीफें दिलाईं और दर्शकों, पुलिस अधिकारियों और आईपीएस की तैयारी करने वालों के बीच उनकी एक अलग पहचान बनाई। इसी किरदार की बदौलत अब एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेशन भी मिला है।

आसान नहीं था यह किरदार

शेफाली शाह ने कहा, मुझे नहीं पता था कि मैं यह कर पाऊंगी या नहीं। यह बहुत ही कठिन किरदार है। इस किरदार को आपको जीना पड़ेगा। साथ ही दर्शकों के प्रति सच्चा भी रहना होगा। पहले सीजन में केस अलगा था, और वर्तिका भी अलग थी। दूसरे सीजन में उसके सामने अलग चुनौतियां थीं। दोनों के बीच एक महीन रेखा थी, जिसे समझना और किरदार को रोमांचक बनाए रखना जरूरी था। कम से कम मेरे लिए तो यह आसान काम नहीं था।

अपनी अगली फिल्म तेजस में वायुसेना अधिकारी बनकर देश की रक्षा करती नजर आएंगी कंगना

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत इन दिनों अपनी फिल्म चंद्रमुखी 2 को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री की फिल्म 28 सितंबर को रिलीज हुई, जिसे समीक्षकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं अभिनेत्री अब अपनी अगली फिल्म तेजस की रिलीज की भी तैयारी कर रही हैं। कंगना रणौत की बहुप्रतीक्षित फिल्म तेजस अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। वहीं, अब फिल्म के टीजर पर अपडेट सामने आया है।

सर्वेश मेवाड़ा के जरिए निर्देशित तेजस फिल्म में कंगना एक वायु सेना पायलट की भूमिका निभाएंगी और इसका निर्माण रोनी स्क्रूवाला ने किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंगना रणौत की तेजस का टीजर दो अक्तूबर को गांधी जयंती के मौके पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र का कहना है कि तेजस अपना पहला टीजर दो अक्तूबर को गांधी जयंती पर रिलीज करेगा। फिल्म का निर्देशन सर्वेश मेवाड़ा ने किया है और इसमें कंगना रणौत अहम भूमिका में हैं। अपने एक्शन अवतार के अलावा अभिनेत्री फिल्म में वरुण मित्रा के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। सर्वेश मेवाड़ा के जरिए निर्देशित, तेजस में कंगना रनौत वायु सेना अधिकारी तेजस गिल की मुख्य भूमिका में हैं। इससे पहले कंगना ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा की थी। कंगना ने ट्विटर पर फिल्म से अपनी तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह वायुसेना के पायलट के रूप में नजर आ रही थीं। इसके साथ उन्होंने लिखा, वायुसेना के बहादुर पायलट के सम्मान में। फिल्म 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी एयरफोर्स पायलट तेजस गिल के इर्द-गिर्द घूमती है और इसका मकसद उन बहादुर सैनिकों को प्रेरित करना और उनमें गर्व की गहरी भावना पैदा करना है जो रास्ते में कई चुनौतियों का सामना करते हुए हमारे देश की रक्षा करते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो इसके अलावा कंगना रणौत के पास इमरजेंसी भी है। इस फिल्म में कंगना रणौत भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ श्रेयस तलपड़े, अनुपम खेर, सतीश कौशिक, महिमा चौधरी जैसे कई अन्य कलाकार नजर आएंगे।

12वीं फेल से पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार विक्रांत मैसी

फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा परिंदा, 1942- ए लव स्टोरी, मिशन कश्मीर, मुन्नाभाई सीरीज, 3 इडियट्स जैसे बेहतरीन फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। अब एक बार फिर वह मजेदार विषय के साथ प्रशंसकों को खुश करने के लिए तैयार हैं। अब वह अपनी नई ओरिएंटेड फिल्म 12वीं फेल के साथ आए हैं। विधु विनोद चोपड़ा की इस फिल्म में अभिनेता विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अब फिल्म के ट्रेलर से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है।

फिल्म का ट्रेलर कब होगा रिलीज

विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर तीन अक्तूबर को रिलीज होने वाला है। अनुराग पाठक की बेस्टसेलर किताब पर आधारित विधु विनोद चोपड़ा की 12वीं फेल आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और आईआरएस अधिकारी श्रद्धा जोशी के जरिए अपनाए गए रास्तों की कहानी बयां करेगी। यह फिल्म कठिन यूपीएससी परीक्षा को चुनौती देने वाले उम्मीदवारों की वास्तविक जीवन की कहानियों से प्रेरित है। सिनेमाघरों में ट्रेलर की स्क्रीनिंग फिल्म का ट्रेलर दो फिल्मों के प्रीमियर स्क्रीनिंग, विवेक रंजन अग्निहोत्री के जरिए निर्देशित द वैक्सीन वॉर और एक्सेल एंटरटेनमेंट के जरिए निर्मित फुकरे 3 के साथ जुड़ा हुआ था, जो कल यानी 28 सितंबर को रिलीज हुई थी। ट्रेलर सिनेमाघरों में चल रहा है, क्योंकि इन दो फिल्मों का प्रीमियर हो रहा है। वहीं अब सोशल मीडिया पर तीन अक्तूबर को ट्रेलर जारी किया जाएगा।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

फिल्म की बात करें तो यह अनुराग पाठक की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब पर आधारित है। दरअसल यह दो आईपीएस अधिकारियों, मनोज कुमार शर्मा और श्रद्धा जोशी के साथ-साथ एक डकैत के जीवन पर आधारित है, जो वास्तविक जीवन में एक आईपीएस अधिकारी बन गया। विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल विधु विनोद चोपड़ा और जी स्टूडियो के जरिए निर्मित है। यह फिल्म 27 अक्तूबर, 2023 को रिलीज होगी।

ऋचा चड्ढा ने बॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा असुरक्षा पर कही यह बात

मृगदीप सिन्हा द्वारा निर्देशित फिल्म फुकरे सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म इस वर्ष की सबसे बहुप्रतीक्षित फ्रेंचाइजी में से एक है। फिल्म में पुलकित सम्राट, ऋचा चड्ढा, वरुण शर्मा, मनजोत सिंह और पंकज त्रिपाठी अहम किरदार में हैं। फिल्म के सभी कलाकारों में खास रिश्ता देखने को मिलता है। इनके बीटीएस वीडियो और फिल्म में साथ स्क्रीन साझा करना इनके फैंस को बहुत पसंद आता है। इतनी अच्छी दोस्ती के बाद भी इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा असुरक्षा की वजह बन सकती है। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया है। ऋचा चड्ढा ने कहा, क्योंकि हम बाहरी लोग हैं, हम सभी ने कभी-कभी एक ही चीज के लिए ऑडिशन दिया है। मैं अपनी कुछ फ्रेंड्स के साथ एक ही किरदार के लिए प्रतिस्पर्धा में रही हूं। अगर वह किरदार अच्छे एक्टर को मिल जाता है, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। उतनी दरिया-दिली तो आप में होनी चाहिए। मुझे ऐसा लगता है कि छोटे दिल के इंसान की यही पहचान होती है कि वो दूसरे के सक्सेस में खुश नहीं हो पाते हैं। हमें उसे बदलने की जरूरत है। ऋचा ने आगे कहा, कभी-कभी हम मीडिया की टॉक्सिसिटी को भी सवाल करते हैं, जब वह ऐसा करते हैं, जैसे किसने सबसे अच्छा पहना। यह अब बहुत पुराना हो चुका है। ऐसे में अब हम मीडिया के टॉक्सिसिटी पर भी सवाल करते हैं, जब वह किसी से तुलना करने वाली बातें लिखते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011